* ओड़िशा संस्करण | रांची | 05 जून, 2024, बुधवार वर्ष 09, अंक 225, ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी, संवत 2081, पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

कुल सीट-543 | बहुमत-272 | एनडीए 291 | इंडिया गठबंधन 234 | भाजपा 240 | कांग्रेस 99

एनडीए को मिला सरकार बनाने का जनादेश

■ उत्तरप्रदेश में अखिलेश और बंगाल में ममता का जलवा ■ झारखंड में कल्पना सोरेन का कमाल

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी सीट से डेढ़ लाख से ज्यादा वोट से जीते
- राहुल गांधी रायबरेली से 3.90 लाख और वायनाड से 3.64 लाख से अधिक वोट से जीते

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/रांची। लोकसभा चुनाव 2024 का परिणाम आ गया। एनडीए ने लगातार तीसरी बार चुनाव जीता, वहीं इंडिया गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लोगों का दिल। उत्तरप्रदेश में सपा के अखिलेश यादव और प. बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी का जलवा दिखा है। वहीं, झारखंड में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कमाल दिखा दिया है। लोकसभा में कुल 543 सीटें हैं। बहुमत के लिए 272 सीटों की जरूरत है। भाजपा, कांग्रेस या किसी अन्य दल को अकेले बहुमत हासिल नहीं हुआ है। भाजपा 241 सीटें जीत कर (जीत और बढ़त सीट समेत) सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी है। कांग्रेस को 99 सीटें (जीत और बढ़त सीट समेत) मिली हैं। वहीं, भाजपा और सहयोगी दल यानी एनडीए को बहुमत हासिल हुआ है। एनडीए को 291 सीटें (जीत और बढ़त सीट समेत) मिली हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों यानी इंडिया गठबंधन को 234 सीटें (जीत और बढ़त सीट समेत) हासिल हुई हैं।

अखिलेश, ममता और कल्पना का कमाल: उत्तरप्रदेश में सपा के अखिलेश यादव मजबूती से उभरे हैं। वहां 80 सीटों में से 37 सीटों पर कब्जा जमा लिया है। यहां से इंडिया गठबंधन को एनडीए से ज्यादा सीटें मिली हैं। वहीं, भाजपा को 35 सीटों पर संतोष करना पड़ा। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का दबदबा कायम रहा। वहां की 42 सीटों में से 30 सीटों पर उनकी पार्टी टीएमसी ने कब्जा जमा लिया है। भाजपा को यहां से 11 और कांग्रेस को 1 सीट मिली है। झारखंड में झामुमो नेता कल्पना सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन ने अपनी ताकत दिखायी है। कल्पना के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने 14 में से पांच सीटों पर कब्जा जमा लिया है। यहां झामुमो को तीन और कांग्रेस को दो सीटें मिली हैं। भाजपा और आजसू को 9 (8 और 1) सीटों पर संतोष करना पड़ा।

जदयू और टीडीपी की होगी अहम भूमिका: भाजपा, कांग्रेस या किसी अन्य दल को पूर्ण बहुमत के लिए जरूरी 272 सीटें नहीं हैं। भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में एक बार फिर सामने है। उसे 240 सीटें मिली हैं। यानी वह अकेले बहुमत के आंकड़े से 32 सीट पीछे है। हालांकि एनडीए को बहुमत हासिल है। भाजपा को सरकार गठन के लिए अपने सहयोगी एनडीए में शामिल जदयू और टीडीपी की जरूरत सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू को बिहार में 12 और आंध्रप्रदेश की चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी को 16 सीटें मिली हैं। इन दोनों घटक दलों की सरकार गठन में अहम भूमिका होगी।

गरीबी खत्म होने तक नहीं रुकेंगे मिशन जारी रहेगा: नरेंद्र मोदी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे विरोधी मिलकर भी भाजपा के बराबर सीट नहीं ले पाये। इस आशीर्वाद के लिए मैं समस्त देश वासियों का ऋणी हूं। एनडीए की लगातार तीसरी बार सरकार बननी तय है। चुनाव आयोग का धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री नयी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा कि ये 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। उन्होंने कहा कि देश में गरीबी हटाये बिना नहीं रुकेंगे। तीसरे टर्म में बड़े फैसलों का नया अध्याय लिखेंगे। भारत को हम हर क्षेत्र में सबसे आगे ले जायेंगे। उन्होंने कहा कि 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार वापस आयी है। राज्यों में जहां भी विधानसभा के चुनाव हुए वहां पर एनडीए को भव्य विजय मिली। इन राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। मोदी ने अपने 10 साल के शासन काल की चर्चा की। भ्रष्टाचार पर चर्चा की। नये संकल्पों के साथ बढ़ने की बात दोहरायी।

रिजल्ट कह रहा, देश मोदी-शाह को नहीं चाहता: राहुल गांधी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश मोदी-शाह को नहीं चाहता। ये लड़ाई संविधान को बचाने की थी। मैं सच बताऊं तो मेरे माइंड में था कि जब हमारा अकाउंट सीज किया, सीएम को जेल में डाला, तब मेरे माइंड में था, जनता संविधान बचाने के लिए लड़ेगी। उन्होंने कहा कि मैं जनता, इंडिया गठबंधन के पार्टनर और अपने कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करना चाहता हूं। आपने संविधान बचाने का सबसे बड़ा कदम ले लिया है। हमने हिंदुस्तान को नया विजन दिया। उन्होंने संविधान की किताब दिखाते हुए कहा कि इसे बचाने के लिए मतदाताओं का धन्यवाद। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव नतीजा आने के बाद संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी भी मौजूद थीं। खड़गे ने कहा कि हम रिजल्ट को स्वीकार करते हैं। यह जनता की जीत है। भाजपा ने एक व्यक्ति के नाम पर वोट मांगे, यह उनकी हार है। यह मोदी की नैतिक हार है।

कल्पना सोरेन ने गांडेय सीट जीती

गिरिडीह (आजाद सिपाही)। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन ने गांडेय विधानसभा उपचुनाव में शानदार जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के प्रत्याशी दिलीप वर्मा को 26,483 वोटों से हरा दिया। कल्पना सोरेन को 108975 और दिलीप वर्मा को 82492 वोट मिले।

झारखंड में एनडीए को नौ और इंडिया गठबंधन को पांच सीटें मिलीं

- अर्जुन मुंडा, गीता कोड़ा और सीता सोरेन चुनाव में परास्त
- सुखदेव भगत और जोबा मांझी ने जीत हासिल की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की 14 लोकसभा सीटों पर वोटों की गिनती खत्म हो गयी है। खूंटी से केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा चुनाव हार गये हैं। झारखंड में आठ सीटों पर भाजपा, झामुमो तीन, कांग्रेस दो और आजसू ने एक सीट पर जीत दर्ज की है।

सीट	जीत	हार
कोडरमा	अन्नपूर्णा देवी (भाजपा)	विनोद सिंह (माले)
रांची	संजय सेठ (भाजपा)	यशस्विनी सहाय (कांग्रेस)
पश्चिम सिंहभूम	जोबा मांझी (झामुमो)	गीता कोड़ा (भाजपा)
खूंटी	कालीचरण मुंडा (कांग्रेस)	अर्जुन मुंडा (भाजपा)
लोहरदगा	सुखदेव भगत (कांग्रेस)	समीर उरांव (भाजपा)
पलामू	वीडी राम (भाजपा)	ममता भुइयां (राजद)
चतरा	कालीचरण सिंह (भाजपा)	केएन त्रिपाठी (कांग्रेस)
हजारीबाग	मनीष जायसवाल (भाजपा)	जेपी पटेल (कांग्रेस)
गिरिडीह	चंद्रप्रकाश चौधरी (आजसू)	मथुरा महतो (झामुमो)
धनबाद	ढुल्लू महतो (भाजपा)	अनुपमा सिंह (कांग्रेस)
जमशेदपुर	विद्युत वरण महतो (भाजपा)	समीर मोहंती (झामुमो)
गोड्डा	निशिकांत दुबे (भाजपा)	प्रदीप यादव (कांग्रेस)
दुमका	नलिन सोरेन (झामुमो)	सीता सोरेन (भाजपा)
राजमहल	विजय हांसदा (झामुमो)	ताला मरांडी (भाजपा)

अब हकीकत बन गयीं हेमंत सोरेन की कल्पना

राहुल सिंह

- हेमंत की कल्पना ने झारखंड में जेएमएम को ना सिर्फ जीत दिलायी, बल्कि जेएमएम को हेमंत बिन हिम्मत भी दिलायी

लोकसभा चुनाव 2024 का जनादेश बहुत कुछ कहता है और देश की खूबसूरत लोकतांत्रिक व्यवस्था को दर्शाता है। यह जनादेश किसी की जीत या हार को नहीं दर्शाता, यह लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। यह जनादेश जात-पात और धर्म से ऊपर उठ कर कर्म को दर्शाता है।

अगर झारखंड के परिणाम की समीक्षा की जाये तो इस बार के लोकसभा चुनाव परिणाम को लोकतंत्र की जीत कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा।

भले ही झारखंड में एनडीए को नौ सीटों पर जीत मिली, लेकिन चर्चा हेमंत की कल्पना की हो रही है। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद जेएमएम की जीत की कल्पना अधूरी थी, लेकिन हेमंत की कल्पना ने झारखंड में जेएमएम को ना सिर्फ जीत दिलायी, बल्कि जेएमएम को हेमंत बिन हिम्मत भी दिलायी। कल्पना की जीत से यह साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं हेमंत का जेल जाना भाजपा के लिए भारी पड़ गया और जेएमएम को कल्पना जैसा योद्धा भी मिल गया। जाहिर है 11 सीट से खिसक कर नौ सीट पर आना भाजपा के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में कई चुनौतियों को उत्पन्न करेगा और साथ ही जेएमएम जैसी मजबूत क्षेत्रीय पार्टी को आत्मविश्वास के साथ-साथ और मजबूत बनायेगा। आज भले ही एनडीए को बहुमत मिला हो, लेकिन इंडिया गठबंधन ने हिम्मत दिखायी। यहां उल्लेखनीय है कि जब हेमंत सोरेन को इडी ने गिरफ्तार किया था, तब भाजपा को शायद लगा था कि जेएमएम अब बिखर जायेगा। इसी को ध्यान में रख कर भाजपा ने शिबू सोरेन की बड़ी बहू को अपने पाले में भी कर लिया। ठीक उसी समय कल्पना सोरेन घर की चहारदीवारी से निकल कर राजनीति के मैदान में उतरीं और उन्होंने घर की जिम्मेदारियों को संभालते हुए झामुमो की कमान भी संभाल ली।

(शेष पेज 04 पर)

झारखंड को दलबदलू पसंद 'नहीं'

सीता, गीता और जेपी पटेल को पार्टी बदलना महंगा पड़ा

सलोनी

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड को राजनीति की प्रयोगशाला जरूर कहा गया, लेकिन यहां के मतदाताओं ने बता दिया है कि वे राजनीतिक रूप में बेहद परिपक्व हैं। यह बात साबित हुई है मंगलवार को घोषित चुनाव परिणामों से। इस संसदीय चुनाव में मतदाताओं ने अंतिम समय में पाला बदलने वाले नेताओं को पूरी तरह नकार दिया है।

दुमका से हार गयीं सीता सोरेन

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन ने चुनाव से ठीक पहले झामुमो को छोड़ दिया था और पूरे तामझाम के साथ भाजपा में शामिल हुई थीं। उस समय भाजपा की तरफ से कहा गया था कि सीता सोरेन झारखंड में झामुमो के ताबूत में आखिरी कील बनेंगी। भाजपा ने दुमका से अपने सीटिंग सांसद और 2019 में शिबू सोरेन को हरानेवाले सुनील सोरेन का टिकट वापस लेकर सीता सोरेन को टिकट दे दिया। दुमका में सीता सोरेन को शिबू सोरेन का असली उत्तराधिकारी बताया गया, लेकिन वहां के मतदाताओं ने इस पर भरोसा नहीं किया। परिणाम यह हुआ कि सीता सोरेन दुमका से झामुमो के नलिन सोरेन से पराजित हो गयीं।

पूरा नहीं हुआ जेपी पटेल का सपना

हजारीबाग संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के हाथों पराजित होनेवाले कांग्रेस के जयप्रकाश भाई पटेल की कहानी भी अजीब है। वह मांडू से विधायक हैं और भाजपा के टिकट पर चुने गये हैं। भाजपा ने उन्हें सदन में अपना मुख्य सचेतक भी बनाया था। संसदीय चुनाव की घोषणा के बाद उनमें सांसद बनने की महत्वाकांक्षा ने जोर मारी और वह कांग्रेस में शामिल हो गये। कांग्रेस ने उन्हें टिकट भी दे दिया, लेकिन हजारीबाग के मतदाताओं ने इस दलबदल को भी पसंद नहीं किया और जेपी पटेल चुनाव में पराजित हो गये। इस तरह सांसद बनने का उनका सपना पूरा नहीं हुआ।

गीता कोड़ा भी अपनी सीट नहीं बचा सकीं

सिंहभूम सुरक्षित सीट से गीता कोड़ा चुनाव हार गयी हैं। 2019 में उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में यहां से जीत हासिल की थी। चुनाव की घोषणा से ठीक पहले उन्होंने कांग्रेस का दामन छोड़ कर भाजपा का दामन थाम लिया था।

कहा जाता है कि सिंहभूम संसदीय क्षेत्र में कोड़ा दंपति का अलग राजनीतिक प्रभाव है और उनके पास अपना तीन लाख वोट है। भाजपा ने गीता कोड़ा को पार्टी में शामिल करा कर सिंहभूम सीट पर कब्जा करने का सपना देखा था। लेकिन उसका यह सपना पूरा नहीं हो सका। सिंहभूम के मतदाताओं ने गीता कोड़ा द्वारा पाला बदलने को पसंद नहीं किया और झामुमो की जोबा मांझी को लोकसभा पहुंचा दिया।

क्षेत्रीय क्षत्रपों ने राष्ट्रीय दलों को पीछे छोड़ा

विनोद कुमार

रांची। लोकसभा चुनाव, 2024 में झारखंड, बिहार, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में क्षेत्रीय दलों का एक बार फिर से प्रभाव बढ़ा है। ये क्षेत्रीय पार्टियां या तो सरकार बनाने की स्थिति में हैं या किंगमेकर की भूमिका में हैं। ऐसे में एक बार फिर से इस बहस ने जोर पकड़ ली है कि क्या भारत में अमेरिका की तरह दो पार्टी सिस्टम होना चाहिए। क्या मतदाताओं का मन दो दलीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है या फिर देश एक बार फिर गठबंधन के दौर में पहुंच गया है।

झामुमो, राजद, जदयू, सपा और टीएमसी का दबदबा

इस चुनाव परिणाम ने दिखा दिया है कि अपने-अपने राज्यों में क्षेत्रीय क्षत्रप आज भी राष्ट्रीय दलों पर भारी हैं। झारखंड में झामुमो ने इंडिया गठबंधन के लिए मुख्य भूमिका निभायी, तो बिहार में एनडीए की इज्जत नीतीश कुमार की जदयू ने बचायी, जबकि कांग्रेस को राजद का साथ बचा ले गया। इसी तरह टीमएसी पश्चिम बंगाल में अकेले लड़ी थी, लेकिन उसने भाजपा, कांग्रेस और वाम दलों को बुरी तरह पराजित कर दिया। भाजपा को बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने से रोकने में जिस क्षेत्रीय दल ने सबसे अहम भूमिका निभायी, उसका नाम समाजवादी पार्टी है। इंडिया गठबंधन का घटक होने के बाद सपा ने यूपी में न केवल अपनी वापसी की, बल्कि कांग्रेस के लिए संजीवनी का भी काम किया। इसी तरह महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी ने भाजपा को पसीने छुड़ा दिये।

अभी इंडिया अलायंस 27 पार्टियों का गठबंधन

मौजूदा सियासत में कांग्रेस की अगुवाई वाला इंडिया गठबंधन जहां 27 पार्टियों से मिलकर बना है, वहीं भाजपा की अगुवाई वाला एनडीए गठबंधन 38 पार्टियों से मिलकर बना है।

पहली बार 1977 में बनी थी गठबंधन सरकार

1977 में पहली बार केंद्र में मोरारजी देसाई के नेतृत्व में 11 पार्टियों ने गठबंधन सरकार बनायी। इसके बाद चौधरी चरण सिंह ने 1979 में गठबंधन सरकार बनायी। फिर वीपी सिंह, चंद्रशेखर, एचडी देवगौड़ा और इंदर कुमार गुजराल ने गठबंधन सरकार बनायी। उस दौरान भी क्षेत्रीय दलों ने अहम भूमिका निभायी थी।

अति-आत्मविश्वास ने खूंटी में डुबोयी अर्जुन मुंडा की नाव

क्षेत्र की जनता से दूरी और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा पड़ी भारी

प्रमोद कुमार

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड की सबसे हॉट सीटों में से एक खूंटी से मोदी कैबिनेट के सदस्य अर्जुन मुंडा कांग्रेस के हाथों पराजित हुए हैं। उन्हें कांग्रेस के कालीचरण मुंडा ने करीब डेढ़ लाख मतों के अंतर से हरा दिया। 2019 में अर्जुन मुंडा ने कालीचरण मुंडा को महज 1445 वोटों के अंतर से हराया था। अर्जुन मुंडा का हारना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह न केवल केंद्रीय मंत्री हैं, बल्कि राज्य के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं।

खूंटी से अर्जुन मुंडा की हार के वैसे तो कई कारण बताये जा रहे हैं, लेकिन सबसे पहले जिस एक कारण के बारे में काफी पहले से चर्चा हो रही थी, वह थी जनता से उनकी दूरी और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा। पिछले पांच साल के दौरान अर्जुन मुंडा ने अपने क्षेत्र में बहुत कम समय बिताया, जबकि उनके पूर्ववर्ती कड़िया मुंडा तमाम व्यस्तताओं के बावजूद कभी खूंटी से दूर नहीं रहे। चुनाव से कुछ दिन पहले भाजपा के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अर्जुन मुंडा का ध्यान इस तरफ दिलाया भी था, लेकिन मंत्री के रूप में अपनी व्यस्तता का हवाला देकर वह उन्हें समझाने में सफल रहे थे। इतना ही नहीं, कहा जा रहा है कि अर्जुन मुंडा ने दिल्ली जानेवाले खूंटी के लोगों की मदद करने में दिलचस्पी नहीं दिखायी, जबकि कड़िया मुंडा हमेशा क्षेत्र के लोगों के लिए उपलब्ध रहते थे।

आदिवासियों की भाजपा से नाराजगी भी वजह

अर्जुन मुंडा की हार के इन स्थानीय कारणों के अलावा जिस एक कारण की खूब चर्चा हो रही है, वह है आदिवासियों की भाजपा से नाराजगी। 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान यह नाराजगी सामने आयी भी थी, लेकिन न भाजपा ने उस पर ध्यान दिया और न अर्जुन मुंडा ने इसे तवज्जो दी। इस नाराजगी की आग में घी का काम किया हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद पैदा हुई सहानुभूति ने। इसके अलावा भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी भावना और झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस गठबंधन (इंडिया ब्लॉक) के पक्ष में अनुसूचित जनजाति के वोटों (26 प्रतिशत) का इकट्ठा होना भी इसका कारण है।

झारखंड के आदिवासियों ने माना हेमंत के साथ अन्याय हुआ

राज्य में आदिवासियों के लिए आरक्षित सभी पांच सीटों पर हार गयी भाजपा

राजवीर

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड के आदिवासियों ने एक बार फिर भाजपा को नकार दिया है। इस राज्य में लोकसभा की 14 में से पांच सीटें आदिवासियों के लिए सुरक्षित हैं। इनमें राजमहल, दुमका, लोहरदगा, खूंटी और सिंहभूम शामिल हैं। इन सभी सीटों पर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों ने भाजपा उम्मीदवारों को हरा दिया है। इन सभी सीटों पर भाजपा की हार का एक ही मतलब निकाला जा रहा है और वह यह कि हेमंत सोरेन को जेल भेजने का आदिवासी मतदाताओं ने विरोध किया है। आदिवासियों का मानना है कि हेमंत सोरेन के साथ नाइंसाफी की गयी है और राजनीतिक विद्वेष के कारण उन्हें जेल भेजा गया है।

इसके अलावा लोकसभा चुनाव के परिणाम से यह भी साफ हो गया है कि सोरेन परिवार ही झारखंड के आदिवासियों के नेता हैं। खूंटी से अर्जुन मुंडा और लोहरदगा से समीर उरांव की हार ने भाजपा को 2019 के अंत में हुए विधानसभा चुनाव की याद दिला दी है, जब राज्य में आदिवासियों के लिए आरक्षित 28 विधानसभा सीटों में से भाजपा को केवल दो सीटें मिली थीं। यहां तक कि कोल्हान से उसका सूपड़ा साफ हो गया था।

आदिवासियों की इस नाराजगी का तात्कालिक कारण भले ही हेमंत सोरेन हों, लेकिन अब यह स्थापित तथ्य है कि झारखंड के आदिवासी भाजपा से बिदक गये हैं। भाजपा को इस पर मंथन करना पड़ेगा। झारखंड की राजनीति में आदिवासियों को नजरअंदाज करने की रणनीति सफल नहीं हो सकती।

लोकसभा की परीक्षा में चार विधायक पास, छह हुए फेल

आजाद सिपाही संवाददाता

- ढुल्लू महतो, मनीष, जोबा, नलिन सोरेन बने विधायक से सांसद
- शिकारीपाड़ा, हजारीबाग, मनोहरपुर, बाघमारा विधानसभा सीट खाली

रांची। लोकसभा के चुनाव में झारखंड में एनडीए और इंडी गठबंधन में कड़ी प्रतिस्पर्द्धा दिखी। इस चुनाव में दस विधायक सांसद बनने के लिए भाग्य आजमा रहे थे। इसमें से चार पास हुए हैं और छह फेल हो गये। इस इम्तिहान में विधायक ढुल्लू महतो, जोबा मांझी, नलिन सोरेन और मनीष जयसवाल ने जीत दर्ज कर देश के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर का हिस्सा बन गये। वहीं इस चुनावी परीक्षा में प्रदीप यादव, लोबिन हेंब्रम, सीता सोरेन, जेपी पटेल, चमरा लिंडा और समीर मोहंती का हार का सामना करना पड़ा। इसी जीत हार के बीच शिकारीपाड़ा, हजारीबाग सदर, बाघमारा और मनोहरपुर विधानसभा की सीट भी खाली हो गयी है। हालांकि इन खाली सीटों पर फिलहाल उपचुनाव की गुंजाइश नहीं है। कारण इसी साल के अंत में झारखंड में विधानसभा चुनाव होना है।

धनबाद में 2014 और 2019 में भाजपा के पशुपतिनाथ सिंह ने जीत दर्ज की थी। भाजपा ने इस बार बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो को उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस ने अनुपमा सिंह को टिकट दिया। अनुपमा विधायक

ढुल्लू महतो | मनीष | जोबा | नलिन सोरेन

कुमार जयमंगल सिंह की पत्नी हैं। इस सीट से ढुल्लू महतो ने जीत दर्ज की। वहीं हजारीबागर में मनीष जयसवाल ने जेपी पटेल को शिकस्त दी। दुमका की बात करें, तो शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन भी भाजपा की नैया पार नहीं लगा पायी। यहां नलिन सोरेन ने जीत दर्ज की। जमशेदपुर में बहरागोड़ा विधायक समीर मोहंती भाग्य आजमा रहे थे, लेकिन उनकी नहीं चली। वहीं दूसरी ओर पश्चिमी सिंहभूम की जनता ने विधायक जोबा मांझी को सिर आंखों पर बैठाया। गोड्डा में भाजपा से निशिकांत दुबे और कांग्रेस गठबंधन से विधायक प्रदीप यादव मैदान में थे। हालांकि गठबंधन में दीपिका पांडेय सिंह का टिकट काटकर प्रदीप को देने का विरोध भी देखा गया। निशिकांत यहां जीत हासिल की।

पवन का झोंका नहीं चला काराकाट में

- इतिहास नहीं रच पाये पावर स्टार
- पवन सिंह ने बिगाड़ा उपेंद्र कुशवाहा का भी खेल

राजीव

रांची। काराकाट लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह की सभाओं में जिस तरह की भीड़ उमड़ रही थी। उससे एनडीए और महागठबंधन के नेताओं की नींद उड़ा दी थी। उम्मीद जतायी जा रही थी कि पावर स्टार पवन सिंह इस बार काराकाट से जीत दर्ज कर इतिहास रचेंगे। लेकिन हुआ इसके उलट। काराकाट में पवन का झोंका नहीं चला। वैसे यह अब तक की परिपाटी रही है कि भोजपुरी फिल्मी दुनिया से राजनीति में कदम रखनेवाले तमाम अभिनेता को पहली बार चुनावी मैदान में शिकस्त मिली है। पावर स्टार भी पहली बार काराकाट से किस्मत आजमा रहे थे। उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा। साथ ही उन्होंने केंद्र में मंत्री रह चुके उपेंद्र कुशवाहा का भी खेल बिगाड़ दिया। इन दोनों की लड़ाई में महागठबंधन के प्रत्याशी भाकपा माले लिबरेशन के राजाराम सिंह को जीत मिली है। पवन सिंह के मैदान में आने से पहले काराकाट सीट को उपेंद्र कुशवाहा के लिए बेहद ही आसान माना जा रहा था, लेकिन पावर स्टार के आने के बाद लड़ाई टफ हो गयी।

पहली बार, स्टार को मिली हार

इतिहास इस बात का गवाह है कि पहली बार चुनावी सियासत में भोजपुरी अभिनेताओं के हिस्से में हार ही नसीब हुई है। सबसे पहले बात करते हैं बिहारी बाबू यानी शॉटगन शत्रुघ्न सिन्हा की, जो अपना पहला चुनाव हार गये थे। 1992 में नयी दिल्ली सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी ने शत्रुघ्न सिन्हा को अपना प्रत्याशी बनाया था। उनके सामने थे कांग्रेस के राजेश खन्ना। उस उपचुनाव में राजेश खन्ना ने शत्रुघ्न सिन्हा को हरा दिया था।

कुणाल सिंह भी हार गये

भोजपुरी फिल्मों के महानायक के रूप में मशहूर कुणाल सिंह ने 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर पटना साहिब लोकसभा सीट से अपनी किस्मत आजमायी थी।

तब भाजपा के शत्रुघ्न सिन्हा के हाथों कुणाल को करारी हार झेलनी पड़ी थी।

नहीं जीत पाये मनोज तिवारी-निरहुआ

उत्तर पूर्व दिल्ली से 2014 और 2019 के चुनाव में शानदार जीत दर्ज करनेवाले भाजपा नेता मनोज तिवारी भी अपना पहला चुनाव नहीं जीत पाये थे। मनोज तिवारी ने 2009 के लोकसभा चुनाव में समाजवाद पार्टी के टिकट पर गोरखपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ा था और योगी आदित्यनाथ के हाथों मात खा गये थे। आजमगढ़ लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी का वर्चस्व खत्म करनेवाले दिनेशलाल यादव निरहुआ भी पहला लोकसभा चुनाव हार गये थे। 2019 में बीजेपी के टिकट पर लड़े निरहुआ को हार मिली, हालांकि 2022 में हुए उपचुनाव में उन्होंने शानदार जीत दर्ज की।

रवि किशन के हिस्से आयी थी हार

यही हुआ भोजपुरी के बड़े स्टार रवि किशन के साथ। रवि किशन ने भी 2014 के लोकसभा चुनाव में जौनपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर किस्मत आजमायी, लेकिन रवि किशन इतिहास नहीं बना पाये। जौनपुर से चुनाव हार गये।

चौंकाने वाला रहा काराकाट का नतीजा

काराकाट लोकसभा सीट के नतीजे कई लोगों के चौंकाने वाला रहा। एनडीए उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा तीसरे स्थान पर रहे। भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह दूसरे स्थान पर हैं। पवन सिंह को 216970 वोट मिले। बता दें कि शुरूआती रुझानों में पवन सिंह आगे चल रहे थे, लेकिन जैसे-जैसे गिनती आगे बढ़ी, परिदृश्य बदल गया और इंडी अलायंस के उम्मीदवार जीत गये।

झारखंड की राजनीति में लंबी लकीर खींच दी कल्पना ने

■ विपरीत परिस्थितियों में भी बनाये रखा हौसला ■ पार्टी को एकजुट रखने में भी रहीं कामयाब

अजय शर्मा

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड की राजनीति में आज की तारीख में अगर किसी नाम की सबसे अधिक चर्चा हो रही है, तो वह नाम है कल्पना सोरेन का। विपरीत राजनीतिक परिस्थिति में भी वह एक लंबी लकीर खींचने में कामयाब रही हैं। गांडेय की जनता ने उन्हें सिर आंखों पर बैठाया। 26 हजार से ज्यादा वोट से जीतकर कल्पना ने साबित कर दिया कि वह राजनीति में किसी से कम नहीं हैं। कल्पना सोरेन का राजनीति में प्रवेश एक तरह से हादसे का परिणाम है। वह झारखंड के मुख्यमंत्री रहे जेएमएम के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन की पत्नी हैं। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद उनके कंधों पर बच्चों और परिवार की देखभाल करने और उससे भी बड़ी पार्टी को एकजुट रखने की जिम्मेदारी आ गयी। खास बात यह थी कि झारखंड के पहले राजनीतिक परिवार की सदस्य होने के बावजूद उनके पास राजनीति का कोई अनुभव नहीं था। हेमंत के जेल जाने के बाद तो एक बारगी

ऐसा लगा कि पार्टी बिखर जायेगी, परिवार छिन्न-भिन्न हो जायेगा, क्योंकि शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन ने घर के साथ पार्टी भी छोड़ दी। कल्पना को तो समझ में ही नहीं आ रहा था कि इन चुनौतियों का सामना कैसे किया जाये। ऐसे में उन्होंने एक आम गृहिणी के रूप में जुटाये गये अपने अनुभवों को राजनीति के मैदान में आजमाने का फैसला किया। उन्होंने खुद को संभाला, परिवार को संभाला और फिर पार्टी को संभाल लिया। वह बड़ी तेजी से खुद को राजनीति के मैदान में स्थापित करने में सफल रहीं और इंडिया गठबंधन का प्रमुख चेहरा बन गयीं। जनता से कनेक्ट करने की उनकी क्षमता तब सामने आयी, जब उन्होंने इंडिया गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार में सभाएं शुरू कीं। उन्होंने हर संसदीय सीट पर कम से कम आधा दर्जन सभाएं कीं। यह सब तब किया, जब वह खुद सामान्य सीट गांडेय से चुनाव लड़ रही थीं। सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने कभी अपना आत्मविश्वास नहीं खोया और न कभी हेमंत की कमी महसूस होने दी। अकेले दम पर कल्पना ने कई बड़े नेताओं के पसीने छुड़ा दिये। कुछ ही दिनों में वह जेएमएम का बड़ा चेहरा बन गयी हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त कल्पना बातचीत में शालीन हैं और बेबाक भी। वह अच्छी मोटिवेटर हैं। उन्हें विपक्षी दलों की आलोचना का शिकार भी होना पड़ा। यह भी चर्चा की जा रही थी कि वह झारखंड को संभाल नहीं पायेंगी। इन सब के उलट कल्पना ने जो लकीर खींची है, वह बहुत लंबी है।

हेमंत जेल से देते रहे जीत का मंत्र

31 जनवरी को हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद चंपाई सोरेन को राज्य की जिम्मेदारी मिली, लेकिन इस बीच कल्पना सोरेन धीरे-धीरे अपनी जगह बनाते हुए आगे बढ़ीं। इस बीच कल्पना सोरेन अपने पति हेमंत सोरेन से जेल में मुलाकात करती रहीं और राज्य की राजनीति और सत्ता पर चर्चा की। इस तरह हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी के राजनीतिक सफर की कल्पना को हकीकत में बदल दिया। कल्पना सोरेन ने खुद को एक अच्छी पत्नी, अच्छी मां, अच्छी गृहिणी के अलावा अच्छी राजनेता भी साबित किया।

कल्पना मुर्मू सोरेन ने जीत के बाद लिया सास का आशीर्वाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गांडेय उपचुनाव कल्पना सोरेन जीत चुकी है। चुनाव जीतने के बाद उन्होंने अपनी सास रुपी सोरेन का आशीर्वाद लिया है। इसके साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उन्हें आशीर्वाद दिया है। इस वक्त उनके घर में जश्न का माहौल है। इससे पहले मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने भी उनको जीत पर बधाई दी है। कल्पना सोरेन को 26484 वोट अधिक मिले हैं। बता दें कि पूरे लोकसभा चुनाव के दौरान कल्पना सबसे बड़ी स्टार प्रचारक के रूप में उभरकर सामने आयी हैं। लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा होने के बाद से ही कल्पना सोरेन सोरेन चुनावी प्रचार में लगी हुई थीं। उन्होंने लगातार जनता के बीच जाकर प्रचार-प्रसार किया था। इस सीट पर इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी कल्पना सोरेन और भाजपा की ओर से दिलीप वर्मा के बीच मुकाबला था।

कल्पना मुर्मू सोरेन की जीत पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने दी बधाई

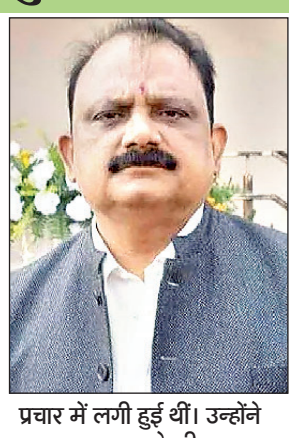

गांडेय (आजाद सिपाही)। कल्पना सोरेन गांडेय उपचुनाव जीत गयी हैं। इसे लेकर उन्हें बधाइयां मिलनी शुरू हो गयी है। मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने उनको सोशल मीडिया पर बधाई दी और कहा है कि गांडेय विधानसभा उपचुनाव में कल्पना सोरेन जी ने बड़ी जीत दर्ज की है। आपको जीत की खूब बधाई एवं अशेष शुभकामनाएं। कल्पना सोरेन को 26760 वोट अधिक मिले हैं। बता दें कि पूरे लोकसभा चुनाव के दौरान कल्पना सबसे बड़ी स्टार प्रचारक के रूप में उभरकर सामने आयी हैं। लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा होने के बाद से ही कल्पना सोरेन सोरेन चुनावी प्रचार में लगी हुई थीं। उन्होंने लगातार जनता के बीच जाकर प्रचार प्रसार किया था। इस सीट पर इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी कल्पना सोरेन और भाजपा की ओर से दिलीप वर्मा के बीच मुकाबला था।

5 सीट पर जीत के बाद चंपाई सोरेन ने झारखंड की जनता का किया धन्यवाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोकसभा चुनाव के परिणाम लगभग साफ हो गये हैं। झारखंड में इंडिया अलायंस के पांच प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है। इसे लेकर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने ट्वीट कर लोगों का धन्यावाद किया है। उन्होंने लिखा है। धन्यावाद झारखंड मात्र एक सांसद के साथ शुरू हुए इस चुनाव अभियान के बाद आपने इंडिया गठबंधन के 5 सांसद एवं 1 विधायक चुन कर, हम पर जो विश्वास दिखाया है, उसके लिए हम लोग आपके आभारी हैं।

सीएम चंपाई सोरेन ने आगे लिखा है सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई एवं हर एक वोटर को धन्यवाद। झूठे आरोपों, अफवाहें फैलाने वाले प्रचार तंत्र एवं तमाम साजिशों को दरकिनार करते हुए आप सभी ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जिस प्रकार आशीर्वाद दिया है, वह हमारे लिए महत्वपूर्ण है। आप सभी के सहयोग से, झारखंड के विकास एवं यहां की आम जनता की सेवा का यह अभियान अनवरत जारी रहेगा।

आम लोगों के सहयोग से मिली जीतः बंधु तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों को संविधान की अवहेलना करनेवाली अनर्गल बयानबाजी और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, गरीबों, युवाओं और महिलाओं की शक्ति को कम आंकने की सजा भुगतान पड़ी है। श्री तिर्की ने कहा कि यह परिणाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नैतिक हार है। यह चुनाव परिणाम अपेक्षित था और यह परिणाम,

इंडिया गठबंधन के सभी दलों की एकजुटता, सामंजस्य और प्रभावी रणनीति का परिणाम है। उन्होंने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि आम लोगों के सहयोग से इंडिया गठबंधन के सभी दलों को जीत मिली है।

देश ने राहुल गांधी की गारंटी पर भरोसा दिखाया : राजेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने जो वादे किये थे, जो गारंटी दी थी, देश ने उस पर भरोसा किया है। ठाकुर ने आगे कहा, जिस तरह से राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से लोगों की समस्याओं को सुना था, उसे एकत्रित कर जो न्याय पत्र दिया था, जो गारंटियां दी थीं उसपर लोगों ने भरोसा जताया है।

ठाकुर ने आगे कहा, भाजपा भी जादूई आंकड़ा नहीं छू पायी है। वे भी किसी तरह ही सरकार बनायेंगे। बीजेपी खेमे के नेताओं को फोन करना शुरू कर दिया है। हमलोग भी पूरी ताकत के साथ सरकार बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

अमित शाह ने सुदेश महतो को किया फोन

एनडीए की बैठक आज, जायेंगे आजसू प्रमुख

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सभी पार्टियां और गठबंधन रणनीति बनाने में जुट गये हैं। इसी क्रम में नयी दिल्ली में एनडीए की बैठक बुधवार को शाम चार बजे से होगी। इसमें सभी घटक दलों के नेताओं को बुलाया जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह खुद घटक दलों के नेताओं से बात कर रहे हैं। उन्होंने झारखंड में अपनी सहयोगी पार्टी आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो को

फोन कर बैठक में आने का आमंत्रण दिया है। सुदेश महतो इस बैठक में भाग लेने के लिए बुधवार को दिल्ली रवाना होंगे।

तीसरी बार मोदी सरकार, अगली बार चार सौ पार : महेश पोद्दार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि तीसरी बार मोदी सरकार, अगली बार चार सौ पार होगी। उन्होंने झारखंड प्रदेश में भाजपा के प्रदर्शन पर कहा कि झारखंड में भाजपा का प्रदर्शन पर पार्टी को आत्ममंथन और चिंतन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की कल्याणकारी

योजनाओं को धरातल तक पहुंचने में कठिनाई हुई। राज्य सरकार योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में रोड़े अटकाये। उन्होंने कहा कि परिणाम ने साफ कर दिया की देश विकास के एजेंडे की ओर बढ़ रहा है।

मोदी को लगातार तीसरी बार जनता का प्यार मिला है

ऐतिहासिक क्षण भाजपा के लिए : प्रदीप वर्मा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार जनता का प्यार मिला है, यह ऐतिहासिक क्षण है। नेहरू जी के बाद नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का सौभाग्य मिला है। जबकि नेहरू के समय सशक्त विपक्ष नहीं था, वहीं मोदी के खिलाफ एक सशक्त विपक्ष होने के बावजूद बहुमत हासिल किया। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के लिए भाजपा के कार्यकर्ताओं का आभार है। जिनके कठिन परिश्रम का परिणाम है जो तीसरी बार केंद्र में एनडीए की सरकार बन रही है।

झारखंड में पिछली बार के अपेक्षा कम सीट आने पर कहा कि पांच साल से राज्य में गठबंधन की सरकार है। उसने इस चुनाव में सरकारी मिशनरियों का खुलकर दुरुपयोग किया। इसके बावजूद एनडीए उससे दोगुनी सीट जीतने में कामयाब हुई। इससे साफ हो गया कि राज्य सरकार के कामों के खिलाफ जनता ने जनादेश दिया है।

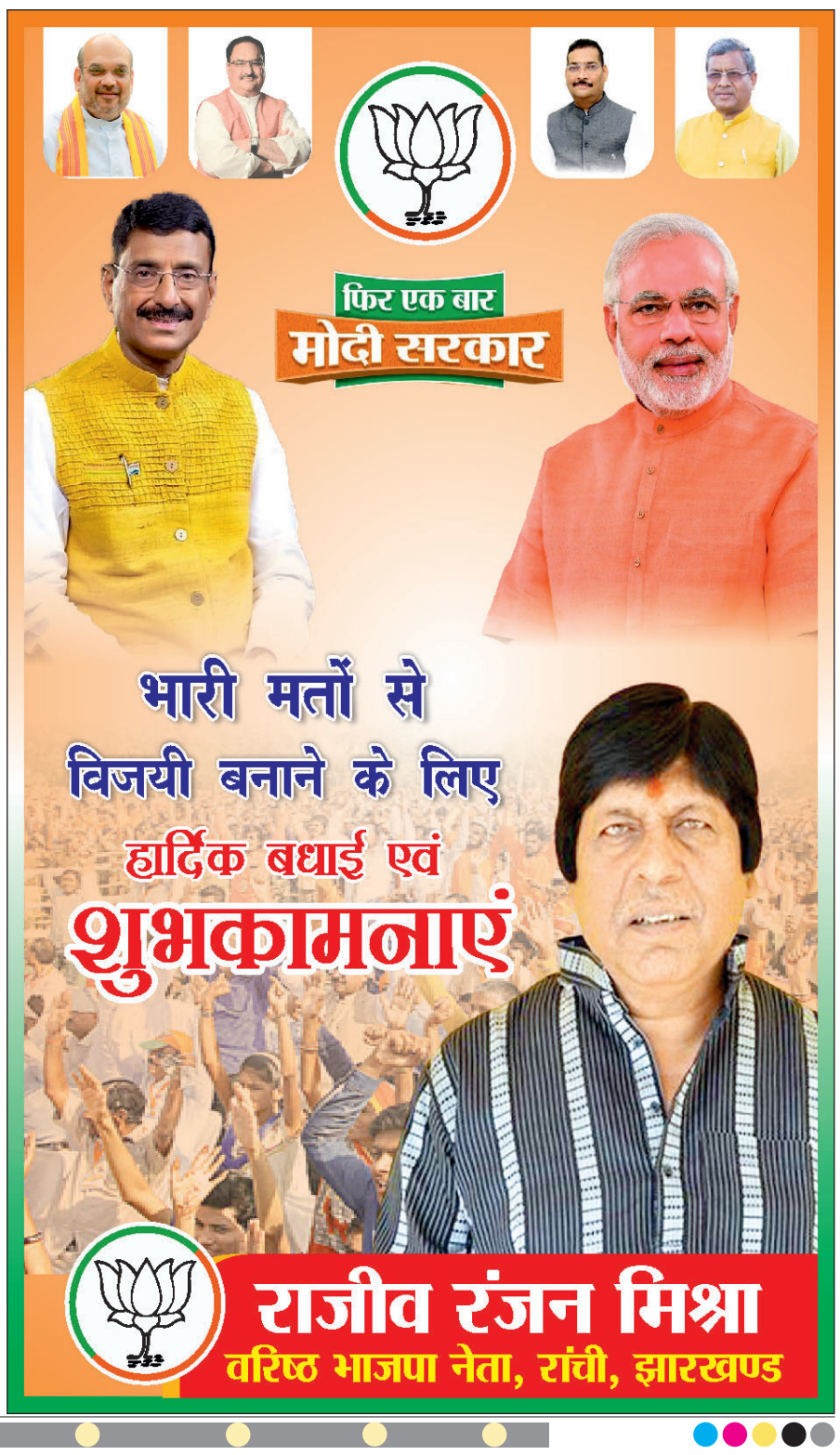

तीसरी बार मोदी सरकार को ऐतिहासिक जनादेश: बाबूलाल

एनडीए की जीत पर भाजपा मुख्यालय में मना जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत पर भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में जश्न मनाया गया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गुलाल लगाकर एक-दूसरे को बधाई दी। पटाखे फोड़े गये, मिठाइयां बंटी और ढोल-नगाड़ों पर लोग खूब थिरके। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता का जनादेश सिरोधार्य है। जनता ने तीसरी बार मोदी सरकार के संकल्प को साकार किया है। भारत के राजनीतिक इतिहास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे राजनेता हैं जो पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। झारखंड की जनता ने 9 सीटों पर जीत दिलाकर एनडीए को फिर सबसे बड़े गठबंधन के रूप में स्थापित किया है। मरांडी ने चुनाव अभियान में झारखंड आने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित केंद्रीय नेताओं का आभार प्रकट किया।

एनडीए देश की सेवा के लिए संकल्पित: लक्ष्मीकांत वाजपेयी

झारखंड भाजपा के प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने प्रदेश की जनता को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जनादेश फिर एकबार मोदी सरकार के लिए है। झारखंड की जनता ने मां भारती की चरणों में फल और फूल दोनों अर्पित किया है। भाजपा और एनडीए देश एवम प्रदेश की जनता की सेवा के लिए संकल्पित है।

इंडी एलायंस का षड्यंत्र जनता ने नकार दिया: अमर बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि जनता ने इंडी एलायंस के षड्यंत्र एवम झूठ को नकारते हुए नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का स्पष्ट जनादेश एनडीए को दिया है। आरक्षण खत्म करने, संविधान बदलने जैसे दुष्प्रचार को जनता ने पूरी तरह नकारते हुए विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए जनादेश दिया है।

निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने जनता का आभार प्रकट करते हुए कहा कि तीसरी बार मोदी सरकार जनता की उम्मीद और आकांक्षाओं पर खरी उतरेगी। तेजी के साथ विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि दो सीट से अपनी वैचारिक यात्रा प्रारंभ करने वाली पार्टी के लिए तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ भारत की सेवा का अवसर मिलना यह जनता के प्यार एवम स्नेह से ही संभव है।

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने प्रदेश के समर्पित और परिश्रमी कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की जीत है।

कहा कि पार्टी कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव में भी एनडीए की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाकर प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त और विकसित प्रदेश बनायेंगे।

बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों में भानु प्रताप शाही, आरती कुजूर, बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, दीपक बंका, हेमंत दास, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज सिंह, डॉ रविंद्र कुमार राय, सरोज सिंह, सुनीता सिंह, नवीन जयसवाल, आरती सिंह, शशांक राज, पवन साहू, अनवर हयात, शिवपूजन पाठक, प्रतुल शाह देव, अविनेश कुमार, राफिया नाज, योगेंद्र प्रताप सिंह, अशोक बड़ाइक, राहुल अवस्थी, राजीव रंजन मिश्रा, शोभा यादव, वरुण साहू, सूरज चौरसिया, पंकज सिन्हा, तारिक इमरान, सीमा शर्मा, शिवकुमार शर्मा, सुधीर श्रीवास्तव, रविनाथ किशोर, किसलय तिवारी, गुरविंदर सिंह सेठी, प्रदीप सिन्हा, रमेश सिंह, प्रेम मित्तल, योगेश मल्होत्रा, संदीप वर्मा, लक्ष्मी कुमारी सीमा सिंह, मंजुलता, शकुंतला जायसवाल, बबिता हिंदू, नीलम चौधरी, मनोज दुबे, योगेंद्र लाल, नीरज पासवान, मृत्युंजय कुमार, नवीन झा, कुणाल यादव, बलबीर सिंह सलूजा, सूर्य प्रभात, सुनील साहू, अरविंद तिवारी, रितेश तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हैं।

पेज 01 का शेष

अब हकीकत बन गयी...

पूरे चुनाव के दौरान उन्होंने जिस तरह से आक्रामक चुनाव प्रचार किया और झामुमो कार्यकर्ताओं में जोश का संचार किया, उसी का परिणाम है कि अब कल्पना सोरेन झारखंड का भविष्य बन गयी हैं। उन्होंने न सिर्फ झामुमो को एक सीट से तीन सीट दिलवायी, बल्कि कांग्रेस के खाते में भी खूंटी और लोहरदगा सीट डलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। उन्होंने झामुमो को इंडिया गठबंधन में भी स्थापित करवाया। सबसे पहले उन्होंने मुंबई और दिल्ली जाकर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करायी और फिर रांची में झामुमो के नेतृत्व में सफलतापूर्वक रैली का आयोजन कर खुद को इंडिया गठबंधन का अहम हिस्सा बना लिया। कांग्रेस के साथ उन्होंने मजबूत राजनीतिक रिश्ता कायम किया। उनके प्रयास और व्यवहार का ही परिणाम है कि आज चाहे सोनिया गांधी हों या राहुल गांधी, प्रियंका गांधी हों या मल्लिकार्जुन खड़गे, सभी कल्पना सोरेन के साहस की दाद दे रहे हैं। कल्पना की इस अकल्पनीय मेहनत से आज झामुमो एक से तीन सीट और कांग्रेस एक से दो सीट पर पहुंच गयी है। यानी एनडीए के किले में पांच सीट की सेंध लग गयी है। इस चुनाव में कल्पना सोरेन ने जितनी मेहनत झामुमो प्रत्याशियों के लिए की, उतनी ही मेहनत कांग्रेस उम्मीदवारों को जिताने में भी की। यह उनकी राजनीतिक परिपक्वता का उदाहरण है।

झारखंड से संसद में दिखेंगे सात नये चेहरे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इस बार झारखंड से संसद में सात नये चेहरे दिखेंगे। नये चेहरा के रूप में चतरा जीत हासिल करने वाले बीजेपी उम्मीदवार कालीचरण सिंह होंगे। इसमें बीजेपी के दो, झामुमो के दो विधायक शामिल हैं। दो कांग्रेस के पूर्व विधायक हैं। वहीं कालीचरण सिंह मुंडा पहली बार संसद पहुंचेंगे। हजारीबाग से बीजेपी उम्मीदवार मनीष जायसवाल और धनबाद से बीजेपी उम्मीदवार ढुल्लू महतो ने जीत हासिल की है। झामुमो से जोबा मांझी और नलिन सोरेन से जीत हासिल की। वहीं कांग्रेस के पूर्व विधायक सुखदेव भगत ने लोहरदगा से जीत हासिल की है। कालीचरण सिंह ने बीजेपी के टिकट पर चुनाव जीता है।

जनता ने फिर से एनडीए को आशीर्वाद दिया: दीपक बंका

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका ने कहा कि देश की जनता ने एक बार फिर से बीजेपी - एनडीए को आशीर्वाद दिया है। जनता का आशीर्वाद सिर आंखों पर। उन्होंने कहा कि पहली बार ओड़िशा स्टेट में बीजेपी सरकार बन रही है। अरुणाचल प्रदेश में बीजेपी की सरकार फिर से आयेगी। आंध्र प्रदेश में एनडीए की सरकार पहल बार आयेगी। देश में भी ऐतिहासिक रूप से लगातार तीसरी बार बीजेपी-एनडीए सरकार को जनादेश मिला है। मोदी जी को भी लगातार तीसरी बार पीएम बनने का ऐतिहासिक मौका देश सेवा का मिला है। बीजेपी की सरकार देश को अपने नेक्स्ट कार्यकाल में विकास के नये शिखर पर ले जायेगी। उन्होंने तमाम मतदाताओं और कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

झामुमो कार्यालय में मना जश्न, बंटे लड्डू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गांडेय विधानसभा उपचुनाव में कल्पना मुर्मू सोरेन और लोकसभा में तीन सीट की जीत पर झामुमो कार्यालय में जश्न मना। पार्टी कार्यालय हरमू में अबीर-गुलाल लगाये गये। लड्डू बांटे गये। शिबू सोरेन जिंदाबाद, हेमंत सोरेन जिंदाबाद और कल्पना सोरेन जिंदाबाद के जमकर नारे लगाये गये। जय झारखंड, जेल का ताला टूटेगा, हेमंत सोरेन छूटेगा के नारे लगाये गये। कल्पना की जीत पर पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि एक युवा नेता और परिवार के सदस्य को जब जेल भेज दिया, तो उनकी युवा पत्नी बहुत विपरीत परिस्थिति में परिवार से निकल कर वे सार्वजनिक जीवन में आयीं। उनका दर्द पार्टी और परिवार ने महसूस किया है। उनकी जीत हेमंत सोरेन, गांडेय की जनता और पार्टी गठबंधन नेताओं की जीत है। रही बात सीता सोरेन की हार की, तो वह उनकी हार नहीं, भाजपा और मोदी की हार है। क्योंकि मोदी जी ने परिवार को तोड़ने और बांटने काम किया। यह तो होना ही था।

इंडी एलायंस के षड्यंत्र और उनके झूठ को नकारते हुए नरेंद्र मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने का जनादेश : रमेश सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के साथ ही भाजपा कार्यकर्ता गदगद नजर आये। प्रदेशभर में कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों के साथ जश्न मनाया। एक दूसरे को मिठाई खिलाई। कहीं रंग गुलाल उड़ा तो कहीं पर आतिशबाजी की गयी। भाजपा नेता रमेश सिंह ने प्रदेश की जनता को बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह जनादेश फिर एक बार मोदी सरकार के लिए है। झारखंड की जनता ने मां भारती की चरणों में फल और फूल दोनों अर्पित किया है। भाजपा और एनडीए देश व प्रदेश की जनता की सेवा के लिए संकल्पित है। भाजपा विकसित भारत, भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि जनता ने इंडी एलायंस के षड्यंत्र व उनके झूठ को नकारते हुए नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का जनादेश एनडीए को दिया है।

इंडिया प्रत्याशियों की जीत लोकतंत्र की जीत: नेहा तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि झारखंड में कांग्रेस और झामुमो के प्रत्याशियों की जीत वास्तव में लोकतंत्र की सच्ची विजय है। श्रीमती तिर्की ने कहा कि यह जीत यह साबित करता है कि झारखंड सहित पूरे देश के लोगों ने झूठ, छल-प्रपंच और असंवैधानिक कार्रवाइयों की बजाय कांग्रेस की प्रतिबद्धता पर भरोसा किया है। श्रीमती तिर्की ने विशेष रूप से लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सुखदेव भगत की जीत पर खुशी जताते हुए कांग्रेस एवं झामुमो के सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत वास्तव में झारखंड के आम लोगों की जीत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि झारखंड के लोगों ने जिस प्रकार से संविधान के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की है और कांग्रेस की नीति के प्रति विश्वास जताया है। वही परिणाम आगामी विधानसभा चुनाव में भी नजर आयेगा।

भाजपा कार्यालय में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा कार्यालय में शॉर्ट सर्किट से मंगलवार को आग लग गयी, जिससे थोड़ी देरी के लिए कार्यालय में अफरातफरी का माहौल बन गया। कार्यालय में मौजूद सभी लोग बाहर निकलने लगे। हालांकि, थोड़ी देर में ही आग पर काबू पा लिया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी लोकसभा चुनाव के परिणाम पर मंथन कर रहे थे।

राजीव रंजन ने मनाया जीत का जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीत और रांची लोकसभा से सांसद संजय सेठ की पुनः जीत पर भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन मिश्रा ने मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। श्री मिश्रा ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जीत के लिए आभार व्यक्त किया। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। श्री मिश्रा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के प्रति भी आभार व्यक्त किया। जीत के जश्न में लंकेश सिंह, गोपाल पारीक, विश्वजीत घोष, मनीष मिश्रा, प्रकाश पाल, इंदर सिंह, राजीव सिंह, मनीष सिन्हा, अक्षित मिश्रा सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

भाजपा की नीति की हार: शशि भूषण राय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आइएनडीआइए अलायंस की झारखंड में 5 सीट जीतने पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि भूषण राय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं द्वारा कड़ी मेहनत और कांग्रेस पार्टी के कुशल नेतृत्व का नतीजा है, जिसके कारण हम ने बीजेपी को इन सीटों पर हराया है। हम लोग यह संकल्प जारी रखेंगे और आने वाले चुनाव में और मेहनत कर भाजपा की जन विरोधी नीतियों को जनता तक ले जायेंगे और उन्हें हराने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आज देश की जनता ने भाजपा के 400 पार के नारे और उसकी जनविरोधी नीति दोनों को हराया है। कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन पहले से काफी अच्छा रहा है। जिसमें सबसे बड़ा योगदान हमारे नेता राहुल गांधी का है। जिन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से देश के हर एक वर्ग के साथ जुड़े और उनकी समस्याओं को जाना।

गोल ने दिया झारखंड का नीट टॉपर, केशव सौरव समदर्शी ऑल इंडिया जेनरल रैंक 98

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गोल के छात्रों ने नीट 2024 के रिजल्ट में ऑल इंडिया में टॉप रैंकर्स देने की परंपरा को जारी रखते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। नीट में बिहार के अधिकतर टॉपर्स गोल इंस्टीट्यूट से ही हैं। केशव सौरव समदर्शी मार्क्स 715, ऑल इंडिया जेनरल रैंक 98 और कैटेगरी रैंक 24 है। गौरव कुमार मार्क्स 710, ऑल इंडिया जेनरल रैंक 491 और कैटेगरी रैंक 142 रहा। शुभम कुमार मार्क्स 710 ऑल इंडिया जेनरल रैंक 517 और कैटेगरी रैंक 145 है। निखिल कुमार गुप्ता को मार्क्स 706, ऑल इंडिया जेनरल रैंक 757 और कैटेगरी रैंक 229 है। वहीं सौरव कुमार मार्क्स 705, ऑल इंडिया जेनरल रैंक 1361 और कैटेगरी रैंक 437, सैफ अली मार्क्स 705 ऑल इंडिया जेनरल रैंक 1062 और कैटेगरी रैंक 338 रहा। हेमा मेहता मार्क्स 702, ऑल इंडिया जेनरल रैंक 1414 और कैटेगरी रैंक 456, मो इर्तजा जावेद मार्क्स 700 ऑल इंडिया जेनरल रैंक 1973 और कैटेगरी रैंक 678 आया है। शुभम कुमार मार्क्स 700 ऑल इंडिया जेनरल रैंक 2321 और कैटेगरी रैंक 223 प्राप्त किया है। 715 अंक प्राप्त केशव सौरव समदर्शी ने कहा कि गोल संस्थान एक परिवार की तरह केयर किया और साथ ही क्वालिटी शिक्षण-नीट के नये पैटर्न पर आधारित गोल का टेस्ट के द्वारा प्रैक्टिस ने हमें टॉपर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

अपने सफलता का श्रेय माता-पिता के अलावा गोल इंस्टीट्यूट को देते हुए 710 अंक प्राप्त गौरव कुमार ने बताया कि विपरीत परिस्थिति में भी गोल इंस्टीट्यूट द्वारा रेगुलर क्लास, रिविजन क्लास, टेस्ट, डाउट्स के साथ गोल के एक्सपर्ट्स के द्वारा दिशा निर्देश ने सफलता में अहम भूमिका निभाया है। गोल विलेज में प्राप्त पर्सनल केयर और अच्छे कॉम्पीटीटीव माहौल का हमारे अच्छे रिजल्ट में अहम रोल है। गोल का सहयोग हमें नीट परीक्षा के दिन तक मिला, जो हमारे लिए अविस्मरणीय है। 706 अंक प्राप्त निखिल कुमार गुप्ता ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार जनों के साथ गोल को देते हुए बताया कि गोल के द्वारा नये पैटर्न पर आधारित शिक्षण के साथ-साथ लगातार लिये गये टेस्ट और पर्सनल-पैरेंटल केयर का सफलता में बहुत बड़ा योगदान है। 705 अंक प्राप्त सौरव कुमार ने गोल संस्थान को धन्यवाद देते हुए बताया कि गोल एजुकेशन विलेज का कॉम्पिटीटीव माहौल, लाइब्रेरी की अद्वितीय व्यवस्था और गोल के समर्पित लोगों से लगातार मिल रहा सहयोग का सफलता में महत्वपूर्ण योगदान है।

छात्रों के प्रयास और टीम वर्क से सफलता : निदेशक

गोल इंस्टीट्यूट के संस्थापक एवं मैनेंजिंग डॉयरेक्टर विपीन सिंह ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों के अथक प्रयासए संस्थान के टीम वर्क और अभिभावकों का गोल के प्रति विश्वास का प्रतिफल है। श्री सिंह ने आशा व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में गोल इंस्टीट्यूट छात्रों और संस्थान के प्रयास से और भी बेहतर रिजल्ट देने के लिए प्रतिबद्ध है। गोल इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट डायरेक्टर रंजय सिंह ने कहा कि गोल से अभी तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 6873 छात्रों ने नीट क्वालीफाइ किया है, जिनमें लगभग 581 से अधिक छात्रों को सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला मिलने की संभावना है। रंजय सिंह ने बताया कि चैलेंजर ग्रुप के 100 प्रतिशत छात्रों ने सफलता प्राप्त की। वहीं गोल विलेज से 100 प्रतिशत छात्र नीट क्वालिफाइ किये हैं। इनमें से लगभग 91 प्रतिशत छात्रों को सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला मिलने की उम्मीद है। गोल इंस्टीट्यूट के आनंद वत्स ने कहा कि गोल विलेज के छात्रों की शानदार सफलता के पीछे छात्रों का आपसी सहयोग के कारण अच्छा माहौल, पर्सनल केयर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

न्यूज रील्स

राष्ट्रपति भवन आज से नौ जून तक बंद रहेगा

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति भवन 5 से 9 जून के बीच आम लोगों के लिए बंद रहेगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से ये आधिकारिक जानकारी दी गई है। कहा गया है कि नयी सरकार के शपथ ग्रहण को लेकर राष्ट्रपति भवन 4 दिनों तक आम लोगों के लिए बंद रहेगा।

अमेठी में हार के बाद बोलीं स्मृति : क्या हार में क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत...

नयी दिल्ली। अमेठी से हारने के बाद स्मृति ईरानी ने कहा कि अमेठी की सेवा होती रहेगी। मैंने गांव-गांव जाकर लोगों की सेवा की। पूरे कार्यकाल में क्षेत्र की जनता की सेवा की। संगठन को मजबूत बनाते रहेंगे। क्या हार में, क्या जीत में किंचित नहीं भयभीत नहीं। हम वो हैं जिन्होंने पूरी निष्ठा से जनता की सेवा की। आगे भी संगठन की शक्ति से सेवा करेंगे। मुझे लगता है कि आज जनता का आभआर व्यक्त करने का दिन है। जो जीते उनको बधाई देने का वक्त है। संगठन अपने स्तर से मंथन करेगा। मैंने जनप्रतिनिधि के रूप में अंतिम व्यक्ति तक जाकर सेवा की। 10 साल मुझे क्षेत्र की सेवा करने का मौका मिला। ये मेरा स्वाभाव है। गांधी परिवार की पारंपरिक सीट अमेठी पर इस बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। कांग्रेस से केएल शर्मा ने बीजेपी की स्मृति ईरानी को मात दी है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने ऐसे पलटी बाजी

जो मुलायम न कर सके, वह अखिलेश यादव ने कर दिखाया

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों में सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में मुकाबला दिलचस्प नजर आया। भाजपा और सपा-कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर रही। 2019 के मुकाबले भाजपा को बड़ा झटका लगा। वहीं, सपा वोट प्रतिशत के लिहाज से अपना सर्वश्रेठ प्रदर्शन करती दिखायी दे रही है। सीटों के हिलाज से भी अखिलेश यादव की पार्टी को बड़ा फायदा होता दिख रहा है। अखिलेश सपा के चुनावी इतिहास का सबसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। लोकसभा सीटों के लिहाज से सपा ऐसा प्रदर्शन मुलायम सिंह यादव के समय भी नहीं कर पायी थी।

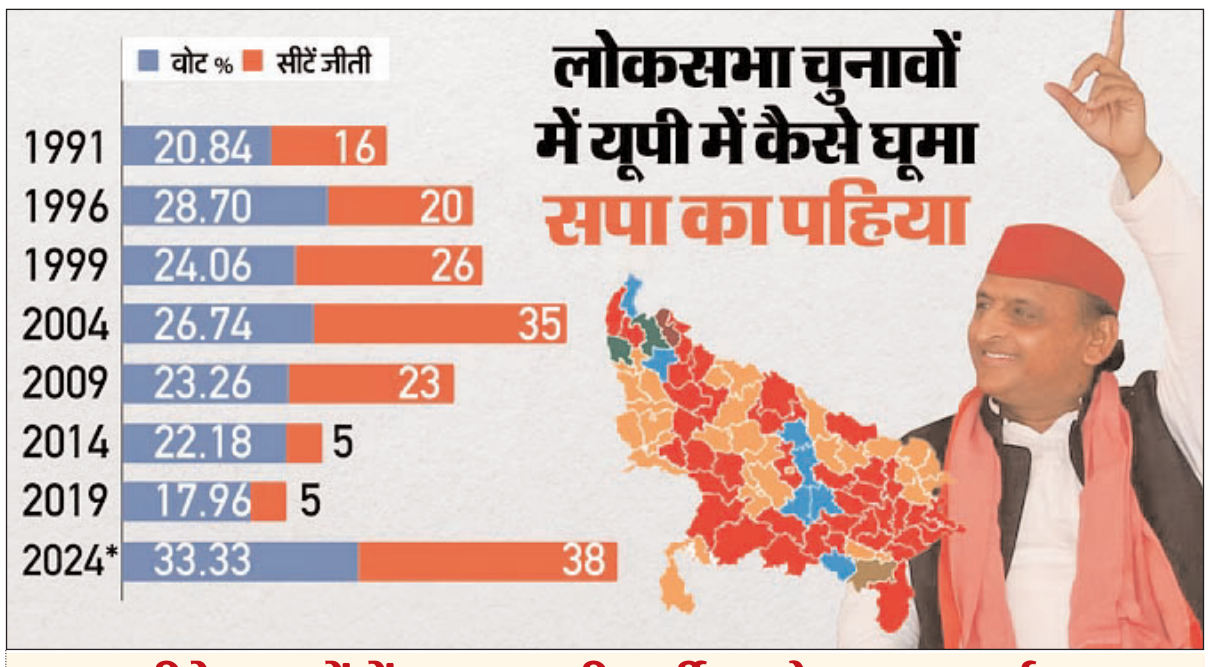

बीते चुनावों में समाजवादी पार्टी का ऐसा था प्रदर्शन

अक्टूबर 1992 में समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी। पार्टी ने अपना पहला लोकसभा चुनाव साल 1996 में लड़ा। उत्तर प्रदेश की क्षेत्रीय पार्टी को इस चुनाव में ही 16 सीटें मिलीं। 1996 में सपा को राज्य में 20.84% मत मिले थे। अगले लोकसभा चुनाव 1998 में कराये गये। इस चुनाव में सपा ने अपना जनाधार बढ़ाया और सीटों की संख्या बढ़कर 20 हो गयी। वहीं पार्टी के खाते में 28.7% मत गये। 1999 के लोकसभा चुनाव में सपा का जनाधार घट गया, लेकिन सीटों की संख्या बढ़ गयी। इस चुनाव में पार्टी के खाते में 24.06% मत गये, तो इसके 26 सांसद जीत कर लोकसभा पहुंचे। 2004 में समाजवादी पार्टी ने अपना प्रदर्शन और सुधारा। इस चुनाव में सपा को 35 सीटें आयीं। वहीं पार्टी को 26.74% वोट मिले। अगले लोकसभा चुनाव 2009 में हुए। इस चुनाव में सपा का जनाधार घट गया और सीटों की संख्या भी कम हो गयी। इस चुनाव में पार्टी के खाते में 23.26% मत गए तो इसके 23 सांसद जीतकर लोकसभा पहुंचे। 2014 में सपा को केवल पांच सीटें मिलीं। पार्टी का वोट शेयर 22.18% रह गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा ने बसपा के साथ मिल कर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में सपा के खाते में 17.96% मत गए तो इसके केवल पांच सांसद जीतकर लोकसभा पहुंचे। सपा के लिए मत प्रतिशत सबसे कम इसी चुनाव में रहा।

सपा के इस प्रदर्शन के क्या मायने हैं?

उत्तर प्रदेश में इंडिया गंठबहंधन 43 सीटें जीतती दिखायी दे रही है। एनडीए को भी 36 के आसपास सीटें मिलने के आसार हैं। रुझान नतीजों में बदलते हैं तो ये कहा जायेगा कि सपा और कांग्रेस को गठबंधन से फायदा हुआ। दोनों दलों ने एक दूसरे को वोट ट्रांसफर भी किये। इन नतीजों के बाद उत्तर प्रदेश में विपक्ष में नया आत्मविश्वास आयेग। इसके साथ ही राज्य सरकार की नीतियों और फैसलों के खिलाफ विपक्ष और आक्रामक होगा।

सपा और कांग्रेस की सीटें बढ़ने की वजह क्या है : सपा और कांग्रेस के आगे बढ़ने की एक बड़ी वजह उत्तर प्रदेश में मायावती की पार्टी बसपा का वोट शेयर घटना रहा। कभी इस पार्टी के लिए कहा जाता था कि बसपा का करीब 20 फीसदी वोटर ऐसा है जो पूरी तरह उसके साथ रहता है। इस चुनाव यह वोट शेयर घटकर नौ फीसदी के करीब रह गया। दलित वोटों का बसपा से दुराव और सपा-कांग्रेस गठबंधन की तरफ जाना भी इसकी एक वजह रही। वहीं, मुस्लिम वोटों का एकमुश्त सपा-कांग्रेस गठबंधन को वोट देने से भी इस गठबंधन को फायदा हुआ।

क्या यह वोट शेयर के लिहाज से सपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है : वोट शेयर के लिहाज से देखेंगे तो यह सपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2004 में पार्टी ने 35 सीटों पर जीत दर्ज की थी। तब उसका वोट शेयर 26.74 फीसदी रहा था। वोट शेयर के लिहाज से पार्टी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1998 में था जब उसे 28.7 फीसदी वोट मिले थे। उस चुनाव में पार्टी 20 सीटें जीतने में सफल रही थी। इस बार समाजवादी पार्टी को 33 फीसदी से ज्यादा वोट मिलते दिख रहे हैं। वहीं, सपा के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस पार्टी को भी 10 फीसदी से ज्यादा वोट मिल सकता है। इस लिहाज से यह गठबंधन 43 फीसदी से ज्यादा वोट पाता दिख रहा है।

न्यूज रील्स

मंडी सीट से पंगा गर्ल कंगना रणौत जीतीं

बॉलीवुड की पंगा गर्ल यानि कंगना रणौत अब राजनीति के मैदान में हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से ताल ठोकी। उन्हें जीत मिली है। उनके प्रशंसकों और करीबियों के बीच खुशी का माहौल है। इस लिस्ट में बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर भी शामिल हैं। अनुपम खेर ने कंगना रणौत को बधाई दी है। उन्होंने अभिनेत्री के लिए एक खास पोस्ट साझा किया है। कंगना रणौत के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने 2006 में बॉलीवुड में डेब्यू किया और लगातार संघर्ष करते हुए उन्होंने इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम हासिल किया। कंगना लगभग 18 साल से बॉलीवुड में सक्रिय हैं। फिल्म 'क्वीन' में अपने जबरदस्त अभिनय के कारण कंगना को बॉलीवुड की क्वीन भी कहा जाता है। उनकी आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' है।

मथुरा से ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी की हैट्रिक

मथुरा से भाजपा प्रत्याशी और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने हैट्रिक बनाया है। वर्तमान में हेमा मालिनी मथुरा लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व भी कर रही हैं। उनके सामने इस बार कांग्रेस से मुकेश धनगर और बसपा से सुरेश सिंह की दावेदारी है। हालांकि, पहले चर्चा थी कि हेमा मालिनी के सामने कांग्रेस बॉक्सर विजेंदर सिंह को उतारेगी, लेकिन बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए। 2019 में मथुरा लोकसभा सीट पर भाजपा के टिकट पर हेमा मालिनी को जीत मिली थी। बता दें कि फिल्मों में अपने अभिनय से लोगों की तारीफें बटोरने वालीं हेमा मालिनी 2004 में भाजपा में शामिल हुई थीं। हेमा मालिनी ने अपने सिने करियर में लगभग 150 फिल्मों में काम किया। उन्हें सीता और गीता, प्रेम नगर, अमीर गरीब, शोले जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

लंदन से भाई को जेल से छुड़ाने आयीं दो साल में बन गयीं सांसद इकरा हसन

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के चर्चित कैराना लोकसभा सीट पर इकरा के प्रदर्शन ने हर किसी को चौंका दिया है। यहां इकरा हसन ने भाजपा प्रत्याशी प्रदीप चौधरी को कड़ी टक्कर दी है। इकरा हसन अपने भाई को जेल से छुड़ाने के लिए लंदन से आयी थीं, लेकिन यहां राजनीति में उनकी दिलचस्पी इस कदर पैदा हुई कि वे दो वर्ष में ही सांसद बन गयीं। इस सीट पर उन्होंने भाजपा प्रत्याशी प्रदीप चौधरी को तगड़ी पटखनी दी है। कैराना लोकसभा सीट पर वर्ष 1962 से लेकर अब तक 16 बार चुनाव हो चुका है। इसमें भाजपा का दबदबा रहा है, लेकिन इस बार पासा पलट गया। भाजपा ने इस सीट पर अब तक तीन बार जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस दो और सपा दो, जनता दल दो बार जीत दर्ज कर चुकी है। इस बार इस सीट पर इकरा हसन समाजवादी पार्टी के चुनाव चिन्ह पर मैदान में थीं। आज मतगणना शुरू हुई तो शुरुआत में पिछड़ती नजर आयीं लेकिन दोपहर बाद इकरा ने बढ़त बना ली, जो अंत तक बरकरार रही।

चीन की अंतरिक्ष में ऊंची छलांग

चीन की स्पेस एजेंसी ने कहा कि चांगई-6 से सैंपल लेकर निकला एसेंडर चीन के इनर मंगोलिया इलाके के रेगिस्तान में करीब 25 जून के आसपास लैंड करेगा। चीन का चंद्रमिशन चांग ई-6 का एसेंडर अब धरती पर वापस आ रहा है। जैसे ही एसेंडर पृथ्वी पर उतरेगा वैसे ही बीजिंग एक इतिहास रच लेगा। एसेंडर मिट्टी और पत्थर का सैंपल लेकर धरती की ओर वापस आ रहा है। एसेंडर यानी वह यंत्र जो चांद की सतह से वापस उसकी कक्षा में आया है। अब वहां से सैंपल लेकर धरती की तरफ आ रहा है। चीन की स्पेस एजेंसी सीएनएसए ने कहा कि इस यान के पिछले महीने लॉन्च किया गया था, जो दो दिन पहले यानी दो जून को चांद के अंधेरे वाले हिस्से में उतरा था। चंद्रमिशन चांग ई-6 सफलतापूर्वक चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा था। जिस जगह चीन का चंद्रयान उतरा था, वह चांद का दूरस्थ इलाका है। इस मिशन के साथ ही चीन ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और बड़ी छलांग लगायी है। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि चांग ई-6 चांद के दक्षिणी ध्रुव के एटकेन बेसिन क्रेटर पर उतरा। यह क्रेटर अभी तक का ज्ञात सबसे बड़ा क्रेटर है। अब एसेंडर मिट्टी और पत्थर का सैंपल लेकर धरती की ओर वापस आ रहा है। चीन की स्पेस एजेंसी ने कहा कि चांगई-6 से सैंपल लेकर निकला एसेंडर चीन के इनर मंगोलिया इलाके के रेगिस्तान में करीब 25 जून के आसपास लैंड करेगा। इस यान ने चांद पर जहां लैंड किया था, वहां पर तापमान माइनस में रहता है। दुनिया में यह काम पहली बार होगा, जब कोई देश चीन के अंधेरे वाले हिस्से से सैंपल लेकर धरती पर वापस आयेगा। चीन के चांग ई 4 मिशन ने साल 2019 में पहली बार चांद की सतह पर लैंडिंग की थी। अब चांग ई 6 मिशन के जरिए चीन चांद की सतह से करीब दो किलो नमूने भी लेकर आयेगा। चांग ई 6 के लैंडर में ड्रिल करने और फिर वहां से नमूने उठाने के लिए मैकेनिकल आर्म लगायी गयी है। चीन का यह मिशन 53 दिन का है और इसे 3 मई को लॉन्च किया गया था। चीन का यह मिशन इस मायने में भी खास है क्योंकि इसने चांद के उस हिस्से पर लैंड किया है, जो हमेशा पृथ्वी से दूर रहा है और यहां पर कभी भी सूर्य की किरणें नहीं पड़ी हैं। ऐसे में इस क्षेत्र के नमूनों से वैज्ञानिक तौर पर अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद है। नमूनों के परीक्षण से इस बात का खुलासा हो सकता है कि चंद्रमा का निर्माण कैसे हुआ। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है और यह अमेरिका और रूस से मुकाबला करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम सैन्य उद्देश्यों के लिए हो सकता है।

चीन की स्पेस एजेंसी ने कहा कि चांगई-6 से सैंपल लेकर निकला एसेंडर चीन के इनर मंगोलिया इलाके के रेगिस्तान में करीब 25 जून के आसपास लैंड करेगा। इस यान ने चांद पर जहां लैंड किया था, वहां पर तापमान माइनस में रहता है।

अभिमत
आजाद सिपाही

दिल्ली सरकार पानी की किल्लत के लिए पड़ोसी राज्यों को जिम्मेदार ठहरा रही है, लेकिन अधिकांश राज्य भयानक जल संकट से जूझ रहे हैं। सोशल मीडिया में वायरल हो रही पोस्ट के अनुसार दुनिया में प्रति व्यक्ति 422 पेड़ की तुलना में भारत में प्रति व्यक्ति 28 पेड़ ही हैं। इंगलैंड में 47, चीन में 130, अमेरिका में 699, ऑस्ट्रेलिया में 3266 और कनाडा में 10163 प्रति व्यक्ति पेड़ होने का दावा किया जा रहा है।

'ए आइ' और जलवायु परिवर्तन की बड़ी चुनौती

विराग गुप्ता

आखिरी चरण के मतदान के पहले ओपन 'ए आइ' कंपनी ने खुलासा किया कि इसराइल और दूसरे देशों से चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश की गयी। चुनाव प्रचार के दौरान चैट जीपीटी और दूसरे एआइ प्लेटफार्म के माध्यम से झूठी कहानियां गढ़ी गयीं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और एक्स आदि सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से फेक और झूठे कंटैंट का प्रसार करके मतदाताओं को भरमाने का प्रयास किया गया। भाजपा और संघ समर्थकों के अनुसार यू-ट्यूब के माध्यम से सरकार विरोधी कंटैंट को फैलाने में गूगल इंडिया के कर्मचारियों ने मदद की। साइबर अपराधों पर रोकथाम और 'ए आइ' (कृत्रिम बुद्धिमता) पर नियमन नयी सरकार के सर्वोच्च एजेंडे में शामिल हैं।

दूसरा बड़ा मुद्दा जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। दिल्ली हाइकोर्ट ने बढ़ते तापमान को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि वह दिन दूर नहीं जब देश की राजधानी रेगिस्तान बन जायेगी। उत्तर भारत में लू और आग की घटनाओं को रोकने, दक्षिण भारत में रेमल चक्रवात से निपटने और उत्तर-पूर्व भारत में बाढ़ और भू-स्खलन से निपटने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये हैं।

चुनावों के दौरान दुनिया के सबसे रइस व्यक्ति मस्क ने फेसबुक और व्हाट्सएप वाली मेटा कम्पनी पर डाटा चोरी का आरोप लगाया।

जलवायु परिवर्तन पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला : चुनाव रिजल्ट पर तस्वीर साफ होने के साथ विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर नयी सरकार का आगाज होगा। प्रधानमंत्री मोदी साल 2047 में नये भारत की तस्वीर को गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट में खरबों रुपये खर्च हो रहे हैं, जबकि हकीकत में दिल्ली समेत देश के दूसरे महानगरों और गांवों, कस्बों में जलवायु परिवर्तन की वजह से लोगों को जान के लाले पड़ रहे हैं। दिल्ली सरकार पानी की किल्लत के लिए पड़ोसी राज्यों को जिम्मेदार ठहरा रही है, लेकिन अधिकांश राज्य भयानक जल संकट से जूझ रहे हैं। सोशल मीडिया में वायरल हो रही पोस्ट के अनुसार दुनिया में प्रति व्यक्ति 422 पेड़ की तुलना में भारत में प्रति व्यक्ति 28 पेड़ ही हैं। इंगलैंड में 47, चीन में 130, अमेरिका में 699, ऑस्ट्रेलिया में 3266 और कनाडा में 10163 प्रति व्यक्ति पेड़ होने का दावा किया जा रहा है।

भारत में डाटा सुरक्षा कानून और उसके नियम लागू नहीं हैं और 'ए आइ' पर कई सालों से कानून बनाने की चर्चा हो रही है। कानून लागू नहीं होने और प्रभावी रैगुलेटर की कमी की वजह से भारत डाटा चोरी और साइबर अपराध की सबसे बड़ी मंडी बन गया है।

भारत में सभी शहर कचरों के पहाड़ बन गये हैं। नगर पालिका और एमसीडी इस बदहाली की जिम्मेदारी राज्य सरकार पर ठेल देते हैं। राज्य सरकारें इसके लिए केंद्र सरकार को जवाबदेह ठहरा देती हैं। हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में इस बारे में सतही पीआइएल फाइल होने के बाद हो-हल्ला भी मचता है, लेकिन जमीनी हकीकत बद से बदतर हो रही है। पैरिस और दुबई में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी कांफ्रेंस में जीवाश्म ईंधन पर काबू पाने जैसे मामलों पर ठोस बहस हुई, लेकिन भारत में प्रदूषण नियंत्रण, ई-वेस्ट, प्लास्टिक और सोलर वेस्ट से जुड़े नियम सिर्फ कानून की किताबों में कैद हैं।

2 महीने पहले अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसले में जलवायु परिवर्तन को समानता और जीवन के अधिकार के साथ जोड़ा था। उसके अनुसार लोगों को स्वस्थ पर्यावरण में रहने का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन ऐसे फैसलों पर मीडिया में ज्यादा चर्चा नहीं होती।

7 चरणों के चुनावों में जल, जंगल, जमीन और जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों पर नेताओं और जनता में कोई जागरूकता नहीं दिखी। सरकारें भी वोट बैंक के शॉर्टकट के अनुसार रेवड़ियां बांटने में ज्यादा मस्त रहती हैं। सरकारी सुविधाओं और रेवड़ियों की होड़ में लाभार्थी बन रहे समाज में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का पूरी तरह से अभाव है। गांवों की कृषि अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गयी है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सरकार, सुप्रीम कोर्ट और संसद के ट्रिपल इंजन को एकजुट होकर दीर्घकालिक रणनीति से मुकाबला करने की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन के दुष्चक्र से यदि शहर भी मौत की भट्ठी बन गये तो फिर 140 करोड़ की आबादी वाले देश में विकसित भारत का सपना कैसे साकार होगा?

'ए आइ' और डिजिटल की चुनौती : इस बार के चुनाव यू-ट्यूब और व्हाट्सएप ग्रुप्स के माध्यम से लड़े गये। विदेशी डिजिटल कंपनियों के नियमन के लिए हमारे प्रतिवेदन पर चुनाव आयोग ने साल 2013 में गाइडलाइंस जारी की थीं, जिन पर लापता जैंटलमैनों (चुनाव आयुक्तों) के दौर में अमल ही नहीं होता। सभी पार्टियों के आइटी सैल और नेताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव आयोग की आचार संहिता का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन किया। इसके लिए 'ए आइ' के माध्यम से बड़े पैमाने पर फर्जी और झूठी सामग्री बनायी गयी। डीपफेक की बाढ़ को रोकने के लिए चुनाव आयोग ने 70 लोगों की टीम बनायी थी। उन्होनें बड़े इन्फ्लुएंसर्स के सोशल मीडिया को खंगाल कर फैक्ट चैक करने की कोशिश की, लेकिन पूरे चुनावी प्रचार के दौरान 'ए आइ' जेनरेटिड वीडियो, ऑडियो, मैसेज और फोटो की बाढ़ थी। मतदान के 48 घंटे पहले के साइलैंस पीरियड में नेताओं ने सोशल मीडिया से चुनाव प्रचार कर आचार-संहिता की धज्जियां उड़ायीं।

भारत में डाटा सुरक्षा कानून और उसके नियम लागू नहीं हैं और 'ए आइ' पर कई सालों से कानून बनाने की चर्चा हो रही है। कानून लागू नहीं होने और प्रभावी रैगुलेटर की कमी की वजह से भारत डाटा चोरी और साइबर अपराध की सबसे बड़ी मंडी बन गया है।

चुनावों के दौरान दुनिया के सबसे रइस व्यक्ति मस्क ने फेसबुक और व्हाट्सएप वाली मेटा कम्पनी पर डाटा चोरी का आरोप लगाया। टेस्ला और एक्स के मालिक मस्क के इन आरोपों पर भारत में मीडिया रिपोर्टिंग और चुनावी बहस नहीं होना निराशाजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। 2007 के बाद 'ऑप्रेशन प्रिज्म' के तहत अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने भारत का बड़े पैमाने पर डाटा चुराया। डाटा चोरी, अराजक सोशल मीडिया और 'ए आइ' के गैर-कानूनी इस्तेमाल से वोटिंग और रिजल्ट को प्रभावित करने का ट्रैंड जारी रहा तो भारतीय लोकतंत्र और सरकारें विदेशी कम्पनियों की गिरफ्त में आ सकती हैं। **(लेखक सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट हैं।)**

रांची की खबरें

विद्युत वरण महतो ने हैट्रिक लगा कायम किया नया रिकॉर्ड

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो ने 268184 से भी ज्यादा मतों से अपने निकटतम इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी समीर कुमार मोहंती को हरा कर जीत हासिल करने पर भाजपा नेता और कार्यकताओं ने खुशी जाहिर की। जमशेदपुर कोऑपरेटिव कॉलेज में परिणाम आते ही कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी करते हुए ढोल नगाड़ा के साथ खुशी मनायी। इस दौरान सभी ने जमकर नारेवाजी की। वहीं सांसद विद्युत वरण महतो को बधाई देने के लिए शाम से ही पार्टी के वरिष्ट नेता और कार्यकताओं का तांता लगा रहा। मौके पर सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा तीसरी वार जनता का भरपूर समर्थन मिला है। इसके लिए पार्टी के सभी वरिष्ट नेता व सभी कार्यकर्ताओं के साथ जिले के सभी जनता के प्रति आभार प्रकट

करते हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत में बीते 10 साल से देश के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया था। लोकसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा व पूर्व मुख्यमंत्री सह उड़ीसा के राज्यपाल रघुवर दास ने लोगों से संपर्क किया। कार्यकर्ताओं के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 साल की कार्यकाल को जनता के बीच पंपप्लेट के माध्यम से सौंपा गया। भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से संपर्क साधा जिसका परिणाम आज देखने को मिला। उन्होंने कहा चुनाव में जनता ही सर्वप्रार्थी है। श्री महतो ने कहा राज्य सरकार साथ में नहीं होने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लेकिन भाजपा ने सभी छोटी बड़ी समस्या का सूची बद्ध कर संबंधित पदाधिकारी से वार्ता कर समाधान निकालने का काम किया। जिसका परिणाम आज जनता ने विपक्ष को दिखा दिया है। सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा भाजपा एक राष्ट्रीय पार्टी है।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सुप्रियो भट्टाचार्य ने बीजेपी को दी चेतावनी, कहा-ये तो बस अभी शुरुआत है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। देश में आम चुनाव के नतीजों के बाद पार्टी नेताओं के रिएक्शन आ रहे हैं। झारखंड से झामुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने देश में आम चुनाव के परिणाम पर एनडीए पर निशाना साधा है। उन्होंने केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा कि देश की जनता ने इसबार बढ़ती महंगाई, अग्निवीर योजना, आरक्षण हटाने जैसे मुद्दों के खिलाफ मतदान किया है। उन्होंने कहा कि देश दलित, आदवासी, अल्पसंख्यक वर्गों ने केंद्र में बीजेपी सरकार और प्रधानमंत्री मोदी का प्रतिकार किया है। सुप्रियो ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने खुद को अवतार बता दिया। उन्होंने कहा

कि प्रधामंत्री के इसी अहंकार पर जनता ने वोट करके चोट दिया है। सुप्रियो ने बीजेपी से नरेंद्र मोदी को निष्कासित करने की मांग की। सुप्रियो भट्टाचार्य ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी से चुनाव लड़ रहे प्रधामंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को वाराणसी में शासन-प्रशासन ने वोट किया, वह चुनाव हार चुके थे।

आरक्षित सीटों पर बीजेपी का सफाया हो गया

सुप्रियो ने झारखड के 5 लोकसभा सीटें जीतने को लेकर बीजेपी घेरा। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ने झारखंड में पांचों सुरक्षित सीटों से बीजेपी का सफाया कर दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने झारखंड आदिवासी वर्ग के साथ सौतेला व्यवहार किया। पांचों सीट पर मोदी की हार हुई है। हेमंत सोरेन को जेल में डाल दिया। बगैर किसी सबूत के उन्होंने एक आदिवासी बेटा को जेल में डालकर पाप किया। झारखंड की जनता ने उनपर हुए अन्याय को समझा और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ खड़े दिखे। सुप्रियो ने कहा कि यह तो बस अभी शुरुआत है, आने वाले समय में बीजेपी को यहां जमींदोज करेंगे।

गीता-सीता को हराकर जनता ने बदला लिया

सुप्रियो भट्टाचार्य ने सीता सोरेन और गीता कोड़ा की हार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पार्टी छोड़कर गयीं तो सीता और गीता चुनाव हार गयीं। सुप्रियो ने कहा कि जो हमारे परिवार को तोड़ना चाहेगा उसे जनता इसी तरह जवाब देगी। दुमका और चाइबासा की जनता ने बदला लिया है। यही वजह है कि दोनों चुनाव हार चुकी हैं। आगे उन्होंने गिरिडीह सीट की हार पर कहा कि वहां की जनता को भ्रम में रखा गया। उन्होंने कहा कि पार्टी गिरिडीह की हार की समीक्षा करेगी। वहीं जमशेदपुर लोकसभा सीट की हार पर उन्होंने भितरघात की बात कही। उन्होंने कहा कि साजिश के तहत समीर मोहंती को वहां हराया गया।

भाजपा की जीत पर अभय सिंह ने बांटी मिठाई

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो की भारी मतों से जीत और पुनः देश की जनता के सहयोग से तिसरी वार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने की खुशी में भाजपा नेता अभय सिंह ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद जमशेदपुर लोकसभा चुनाव में जनता ने तिसरी बार भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो को भारी मतों से जीताने का काम किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बीते 2019 का वह इतिहास को नहीं दोहरा पायी, लेकिन लोकसभा चुनाव में मतगणना के बाद दूनी उत्साह के साथ भाजपा कार्यकर्ता अब अपनी मंजिल को लगेंगे। क्या त्रुटी रह गयी, इसमें जनता के साथ मिलकर दूर करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के

चुनाव में जीत हार जनता के हाथ में होता है। जनता के उद्देश्यों को अध्ययन कर आगे की रणनीति बनायी जायेगी। उन्होंने कहा पार्टी ने दो जगह की जिम्मेदारी दी थी। हजारीबाग का स्वयं जिला प्रभारी रहे। जहां मनीष जायसवाल 166000 से भी अधिक मत से जीते। साथ ही जमशेदपुर से विद्युत वरण महतो डेढ़ लाख से भी अधिक वोट पर जीत हासिल की। उन्होंने जमशेदपुर की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर की जनता ने इतिहास में पहली बार लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक पुरुष के रूप में विद्युत वरण महतो को संसद भवन में भेजने का काम किया।

भाजपा प्रत्याशियों की निर्णायक जीत है : डॉ प्रणव बब्बू

रांची (आजाद सिपाही)। अधिवक्ता, समाज सेवी और भाजपा नेता डॉ. प्रणव कुमार बब्बू ने कहा है कि भारत में लोकतंत्र की जड़ बहुत अधिक मजबूत है और आम लोगों के भरोसे का ही परिणाम है कि भाजपा प्रत्याशियों को झारखंड सहित पूरे देश में महत्वपूर्ण एवं निर्णायक जीत मिली है। उन्होंने कहा कि आज लोकसभा में आम लोगों के भरोसे के कारण ही भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी है। डॉ बब्बू ने विशेष रूप से रांची लोकसभा क्षेत्र में संजय सेठ की विजय को महत्वपूर्ण और निर्णायक बताया है।

जनता का प्रेम, समर्थन और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है : सुदेश महतो

एनडीए की जीत जनता के विश्वास की जीत है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड समेत पूरे देश में एनडीए की प्रचंड जीत के लिए जनता का आभार। हमारी जीत जनता के विश्वास की जीत है उनका प्रेम, समर्थन और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। जनता ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास की गारंटी पर मोहर लगाते हुए लगातर तीसरी बार एनडीए को देश में पूर्ण बहुमत देने का काम किया है। उक्त बातें आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष श्री सुदेश महतो ने आज आये लोकसभा चुनाव के परिणामों पर

प्रतिक्रिया देते हुए कही। गिरिडीह पर एनडीए उम्मीदवार चंद्र प्रकाश चौधरी की जीत पर उन्होंने कहा कि गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र की जनता के स्नेह, आशीर्वाद और विश्वास के कारण ही यह जीत संभव हो पायी है। गिरिडीहवासियों का यह प्यार और आशीर्वाद हमारी ताकत है। इसी ताकत के साथ हम गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे। इस ऐतिहासिक जीत के लिए परिश्रम करने वाले सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद।

तीसरी बार मोदी सरकार और रांची से संजय सेठ की जीत पर नामकुम में मना जश्न

नमकुम (आजाद सिपाही)। जिले में पार्टी को मिली जीत से उत्साहित भाजपाइयों ने जगह-जगह जीत क ा जश्न मनाया। एक दूसरे को मिठाई खिलाई और लोगों में भी मिठाइयां बांटी। खिजरी विधानसभा क्षेत्र में खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा के नेतृत्व में नामकुम बाजार सदाबहार चौक स्थित सांसद समाधान केंद्र कार्यालय, टुपुदाना, रामपुर और सिदरौल में भाजपाइयों ने जश्न मनाया। इस अवसर पर अशोक ने कहा कि कार्यकताओं की मेहनत और जनता के समर्थन से रांची लोकसभा में भाजपा ने इतिहास रचते हुए विपक्षी दलों का सुपड़ा साफ कर दिया है। जातिवाद, परिवारवाद, गुंडाराज व माफियावाद को तोड़कर जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रांची सांसद सेजय सेठ के कुशल नेतृत्व में राष्टवाद और विकासवाद पर वोट दिया है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा, आजसू नेता संजीव सिंह उर्फ छोटू, समीर राय, राजू लकड़ा, बिजेंद्र राय, प्रदीप जायसवाल, राजू नायक, राजू कुमार, संजय सिंह, बिरसा पाहन, आनंद सिंह, आकास राय, विकास राय आदि मौजूद रहे।

नामकुम (आजाद सिपाही)। देश में तीसरी बार मोदी सरकार और रांची से संजय सेठ की जीत पर नामकम में राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में जीत का जश्न मनाया गया। काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल जश्न में पटाखे फोड़कर और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। मनोज सिंह ने कहा कि रांची की जनता प्रधानमंत्री मोदी जी पर विश्वास कर रांची में फिर से कमल खिलाया है। आगामी विधानसभा में हम पुनः भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे। इस दौरान पूरा क्षेत्र जय श्री राम के नारों से गूंज उठा। जश्न में प्रदेश नेता मनोज सिंह, अजय मुंडा, अरुण तिवारी, बिक्कू सिंह, विकास सिंह, बंटी पांडेय, आनंद कुमार, अनिल सिंह, अमित कुमार श्रीवास्तव, विकास कुमार, अनुराग कुमार, नंद किशोर सिंह, कृष्णा कुमार, प्रकाश भारती, सुमन कुमार, संदीप सिंह, बिनोद सिंह, पृश्वीराज सिंह, संजीव कुमार, फेकू लोहरा, देवराज सिंह आदि कार्यकर्ता शामिल हुए।

जैलेंद्र कुमार ने मनाया जश्न

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रतिनिधि रांची लोक सभा से भाजपा प्रत्याशी संयोजक सेठ की जीत पर मंगलवार को पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने गेतलसूद चौक में जश्न मनाया। जैलेंद्र कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनता ने तीसरी बार देश का नेतृत्व करने का मौका दिया है। इस मौके पर सत्यदेव मुंडा, मनेश्वर मुंडा, कामेश्वर महतो, जाकिर खान, शंकर बैठा, संजय भोगता, उमेश बड़ाइक, सुषमा बड़ाइक, बिगेश्वर महतो, एतवा भगत, सोहन बेदिया आदि शामिल थे।

पूर्व तट रेलवे

(1)निविदा सं.eT-M-KUR-CTS-257-2024
कार्य का नाम: दो वर्षों की समयावधि के लिए खोरधा रोड रेलवे स्टेशन पर ठहराव के दौरान रेलगाड़ियों के डिब्बों (CTS) की यंत्रीकृत (Mechanized) धुलाई।
विज्ञापित मूल्य (रुपये में): 5,24,56,557.54, EMD (रुपये में): 4,12,300/-, निविदा दस्तावेज की लागत(रुपये में): 11,800/-।
(2)निविदा सं.eT-M-KUR-SKND-ETP-259-24
कार्य का नाम: 03 वर्षों (1095 दिन) की समयावधि हेतु सुकिन्दा रोड में 02 संख्यक ETP का परिचालन एवं रख-रखाव, 02 संख्यक ह्वील वॉशिंग प्लांट का परिचालन एवं रख-रखाव एवं मार्ग नं. 01 एवं 07 में 02 संख्यक स्प्रिंकलर का परिचालन एवं रख-रखाव।
विज्ञापित मूल्य (रुपये में): 1,37,01,887.62, EMD (रुपये में): 2,18,500/-, निविदा दस्तावेज की लागत(रुपये में): 5,900/-।
पूरा होने की अवधि: 24 महीने (क्रम. सं. 1 हेतु) एवं 36 (छत्तीस) महीने (क्रम. सं. 2 हेतु)।
बिड प्रारंभ होने की तिथि: दिनांक 04.06.2024 (क्रम. सं. 1 हेतु) एवं 06.06.2024 (क्रम. सं. 2 हेतु), निविदा बंद होने की अंतिम तिथि व समय: दिनांक 18.06.2024 को 1530 बजे (क्रम. सं. 1 हेतु) एवं दिनांक 20.06.2024 को 1530 (क्रम. सं. 2 हेतु)।
ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
सीनियर डिवीजनल मैकेनिकल इंजीनियर/ खोरधा रोड
PR-176/P/24-25

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

बेड़ो में आंधी-तूफान से छह ग्रामीणों के घर के छप्पर उड़े

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड के तीन पंचायतों मुरतो,दिघिया व खुखरा में मंगलवार को अपराह्न लगभग साढ़े तीन बजे आये आंधी तुफान से छह ग्रामीणों के घर के एस्बेस्टस उड़ गये। साथ ही तुको गांव की सड़क पर कई पेड़ की डाली गिर गयी। वही आंधी-तूफान से दिघिया तुको के डंगरी चिपा निवासी शकलो उरांव, भाको उरांव एवं सुमरी उरांव मुरतो के चचकोपी में रंथू उरांव वहीं खुखरा के चनकोपी में सोनी देवी व राम लखन गोप

का अचानक आये आंधी तुफान से एस्बेस्टस उड़ गया। भुक्तभोगियों ने बताया कि वे तूफान आने के दौरान पूरे परिवार के साथ घर पर ही थे। किसी तरह अपना और अपने परिवार का जान बचाया। वहीं छप्पर के उड़ जाने से घर में रखे धान घरेलू सामान वर्षा की पानी में भींग कर बर्बाद हो गया। वही छप्पर के उड़ जाने से इन सभी गरीबों के बीच अपने परिवार के साथ सर छुपाने की समस्या उत्पन्न हो गई है। इधर भुक्तभोगी परिवार के सदस्यों ने आंधी तूफान में उड़े घर के छप्पर को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासन से मुआवजा की मांग को लेकर गुहार लगायी है। वहीं आंधी तूफान के बाद समाजसेवी सुनील बेक ने पीड़ित परिवारों से मिले और आपदा प्रबंधन के तहत मुआवजा दिलवाने का आश्वासन दिया।

डीआरडीए कर्मियों का जिला परिषद में होगा समायोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के पदाधिकारी और कर्मचारियों का समायोजन अब जिला परिषद में कर दिया जायेगा। चुनाव आचार संहिता हटते ही इनके समायोजन की प्रक्रिया पूरी की जायेगी। इन कर्मचारी और पदाधिकारियों को वेतन-मानदेय का भुगतान पंचायती राज विभाग से किया किया जायेगा। ग्रामीण विकास विभाग से इनका नियंत्रण पूरी तरह से समाप्त हो जायेगा। ये पंचायती राज विभाग के अधीन हो जायेंगे। वहीं, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण में परियोजना

पदाधिकारी का पद भी समाप्त होगा। पंचायती राज विभाग ने नए सिरे से पदों का सृजन करते हुए इनकी पोस्टिंग जिला परिषद में करेगा। इसी तरह अन्य पदों पर भी होगा। समायोजन 400 से अधिक अधिकारी व कर्मचारी का विभिन्न जिला परिषदों में किया जायेगा।

बता दें कि डीआरडीए पदाधिकारियों-कर्मियों की नियुक्ति डीआरडीए नियुक्ति सेवा शर्त नियमावली 2008 के तहत वित्त विभाग के संकल्प के अनुसार की गयी है। भारत सरकार के एक नंवबर 2021 के द्वारा जिला ग्रामीण विकास अभिकरण को एक अप्रैल से 2022 के प्रभाव से बंद करते हुए राज्य सरकार को डीआरडीए में कार्यरत कर्मियों-पदाधिकारियों का समायोजन जिला परिषद, जिला पंचायत और अन्य सरकारी विभागों में करने की सलाह दी। इस निर्णय के एक साल बाद राज्य सरकार ने लोकसभा चुनाव के पहले डीआरडीए कर्मियों का समायोजन जिला परिषद में करने का फैसला लिया, लेकिन आचार संहिता लगने की वजह से इस पर आगे कार्रवाई नहीं की जा सकी। जून-जुलाई में इसकी प्रक्रिया पूरी की जायेगी।

श्रावणी मेला 22 जुलाई से, तैयारी तेज

अस्पताल से लेकर एंबुलेंस तक की सुविधा रहेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने श्रावणी मेला 2024 की तैयारी शुरू कर दी है। मेला 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। सरकार इस बार श्रद्धालुओं को कई तरह की सुविधाएं देने जा रही हैं। मेले में एसी अस्पताल से लेकर एंबुलेंस तक की सुविधा रहेगी। सरकार की ओर इस बार 3ण्02 करोड़ का बजट तैयार किया गया है। स्थानीय जिला प्रशासन और सिविल सर्जन ने इससे जुड़ा प्रस्ताव बना कर स्वास्थ्य विभाग को भेज दिया है।

स्वास्थ्य विभाग भेजे गये प्रस्ताव में कहा गया है कि 30 एंबुलेंस के स्थान पर 40 एंबुलेंस की तैनाती की जायेगी। सभी एंबुलेंस एयर कंडीशनर युक्त होगी। इस बार चार से पांच अस्थायी हॉस्पिटल बनाये जायेंगे। जहां पर तीन शिफ्ट में डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मचारी तैनात रहेंगे। 150 की संख्या में डॉक्टर और चार सौ से 500 की संख्या में एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहेंगे। कांवरिया रूट लाइन में पांच एसी युक्त हॉस्पिटल तैनात रहेंगे। प्रस्ताव में यह भी जिक्र किया गया है कि झारखंड बिहार बॉर्डर से लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर तक पांच ऐसे अस्थाई अस्पताल का निर्माण कराया जायेगा। इसमें तीन से चार कमरे वातानुकूलित रहेंगे।

मोटरसाइकिल एंबुलेंस की रहेगी व्यवस्था

इस बार श्रावणी मेले में जिला प्रशासन मोटरसाइकिल एंबुलेंस की व्यवस्था करेगाण रिमोट इलाकों में बीमार पड़ने वाले श्रद्धालुओं को अस्थाई और स्थाई अस्पताल तक पहुंचाने के लिए मोटरसाइकिल एंबुलेंस का उपयोग किया जायेगा।

अलग से टोटो एंबुलेंस की रहेगी सुविधा

श्रावणी मेले में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए इस बार प्रशासन अलग से टोटो एंबुलेंस की भी व्यवस्था करेगा। भीड़ के दौरान यह देखा जाता है कि संकीर्ण सड़कों के कारण मरीजों को अस्पताल ले जाने में काफी परेशानी होती है। स्वास्थ्य विभाग भीड़ वाले संकीर्ण स्थान से चार पहिया एंबुलेंस तक पहुंचाने के लिए टोटो एंबुलेंस का प्रयोग करेगा।

रातू सीसी और डेस्टिनी सीए क्वार्टर फाइनल में

रांची (आजाद सिपाही)। लिटिल विंग्स बी डिवीजन क्रिकेट टूनार्मेंट में मंगलवार को रातू सीसी व डेस्टिनी सीए ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. पहले प्री क्वार्टर फाइनल में रातू सीसी ने जगरनाथ स्पोर्टिंग को 80 रन से हराया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए रातू सीसी की टीम ने निर्धारित 32 ओवर में 253 रन बनाए. टीम के लिए मनीष ने सर्वाधिक 71 व सुजीत ने 42 रन बनाये। जगरनाथ स्पोर्टिंग के हर्ष ने तीन व अभिषेक ने दो विकेट चटकाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जगरनाथ स्पोर्टिंग की टीम 173 रन पर ढेर हो गयी. टीम के लिए विवेक ने 62 व जयदीप ने 20 रन बनाए. रातू सीसी के बलराम ने तीन और सुजीत व आदित्य ने दो-दो विकेट चटकाए. शानदार प्रदर्शन के लिए मनीष को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

बिजली विभाग की उपभोक्ताओं से अपील

बिजली लोड कम कर लाइनमैन का करें सहयोग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है। विभाग के सीनियर इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि अत्यधिक गर्मी के कारण पिछले वर्ष की तुलना में इस साल बिजली की डिमांड अप्रत्याशित रूप से 65 प्रतिशत बढ़ गयी है। डिमांड बढ़ने से ओवरलोड हो जा रहा है। सभी को बिजली मिले, इसके लिए जेबीवीएनएल लाइन मैन और इंजीनियर दिन-रात काम कर रहे हैं।

लाइनमैन 50 डिग्री सेल्सियस तापमान पर भी लोहे के पोल पर चढ़ कर लाइन ठीक कर रहे हैं। यह भी आप ही के परिवार के हैं। आपसे अपील है कि ओवरलोड कम करने में इनकी मदद करें। साथ ही राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें। सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि आवश्यकता अनुसार ही बिजली जलाये और थोड़ा लोड कम करें।

ये अपील की है

अपने घर के सभी विद्युत उपकरण एक साथ न चलायें।
सबमर्सिबल पंप, वाशिंग मशीन, आयरन का उपयोग सुबह छह से नौ बजे के बीच करें।
एसी की टेंप्रेचर सेटिंग 24 डिग्री रखें और टाइमर को भी सेट करें।
एनर्जी एफिशिएंट विद्युत उपकरणों का ही इस्तेमाल करें।
बिजली की वायरिंग ठीक रखें और अर्थिंग की जांच कर ठीक करा लें।
मात्र सजावट-दिखावे के लिए बिजली की फिजूल खर्ची न करें।
जब तक बिजली सप्लाई सिस्टम ओवरलोड है।
यथासंभव परिवार के सदस्य आवास के कम से कम कमरों का उपयोग करें, ताकि चालू एसी की संख्या कम रहे।

आठ जून तक नहीं मिलेगी गर्मी से राहत

पश्चिमी हिस्से में हीट वेव का येलो अलर्ट जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में अभी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो 8 जून तक राज्य में गर्मी का असर देखा जायेगा। इस दौरान तक राज्य के पश्चिमी हिस्से में हीट वेव की स्थिति देखी जायेगी। इसमें गढ़वा, पलामू और चतरा में हीट वेव की स्थिति देखी जायेगी। इसे लेकर मौसम विज्ञान केंद्र ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो चार से 8 जून तक राज्य में हीट वेव की स्थिति बनी रहेगी। 9 जून तक गर्मी का असर देखा जायेगा। 11 जून के बाद लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो राज्य में अभी भी हीट वेव का असर बना रहेगा। लोगों को इससे राहत फिलहाल नहीं मिलेगी। हालांकि 5 जून तक मानसून पश्चिम बंगाल पहुंच जायेगा। ऐसे में राज्य के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश का असर देखा जायेगा। लेकिन इससे गर्मी से राहत नहीं मिलेगीण इस दौरान कुछ जिलों में ठंडी हवा भी चलने की संभावना है।

तापमान की बात करें तो आने वाले 8 जून तक राज्य के तापमान में विशेष गिरावट नहीं दर्ज की जायेगी। इस दौरान राज्य का औसतन अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक रहने की जानकारी दी गयी है। न्यूनतम तापमान 28 डिग्री तक रहने की संभावना है।

एक्शन में रिम्स निदेशक, गंदगी देख भड़के और कहा ढुलमुल रवैये से नहीं चलेगा काम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रिम्स निदेशक प्रो राज कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को पीडब्ल्यूडी, पीएचइडी, इलेक्ट्रिकल और रिम्स के इंजीनियरों के साथ बैठक हुई। बैठक में निदेशक ने कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश दिये। निदेशक ने स्पष्ट किया है कि उनके ढुलमुल रवैया से रिम्स का कार्य नहीं होगा। उन्होंने अस्पताल परिसर में सिविल और इलेक्ट्रिकल के कचरा को जल्द हटाने के निर्देश दिये हैं। बता दें कि इससे पहले भी निदेशक ने इस कचरा को हटाने के निर्देश दिये थे, जिसका अनुपालन नहीं होने पर निदेशक ने नाराजगी जतायी है।

निदेशक ने रिम्स के मेन गेट और क्षेत्रीय नेत्र संस्थान की बिल्डिंग के कार्यों को जल्द पूरा कराने के निर्देश दिये हैं। निदेशक

ने मेन गेट को 20 दिनों के अंदर पूरा कर प्रबंधन को सौंपने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ निदेशक के निदेर्शानुसारए चिकित्सा अधीक्षक, उपाधीक्षक, 6 होम गार्ड और 1 सैप के जवान की टीम का गठन किया गया है, जो रोजाना अस्पताल परिसर का भ्रमण करेंगे। सोमवार के निरीक्षण के दौरान कार्डियोलॉजी विभाग के मेन गेट व आसपास के क्षेत्र में कचरा फेंका हुआ था। साथ ही साफ सफाई संतोषजनक नहीं थी। निदेशक ने सफाई की देखरेख कर रही कंपनी के कांट्रैक्टर को बुलाया। उसके अनुपस्थित होने की वजह से कंपनी के सैनिटरी ऑफिसर और सुपरवाइजर को बुलाया गया और साफ सफाई पर ध्यान देने के सख्त आदेश दिये। निदेशक के बार-बार रिम्स परिसर में साफ सफाई पर ध्यान देने की बात कही गयी है। इसके बावजूद सफाई संतोषप्रद नहीं होने पर निदेशक ने कांट्रैक्टर पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिये हैं। निदेशक ने सभी विभागाध्यक्षों को अपने विभाग के महत्वपूर्ण उपकरणों की खरीद की सूची तैयार रखने के निर्देश दिये हैं।

बसंत खुद की और पार्टी-परिवार की साख बचाने में रहे सफल

रांची (आजाद सिपाही)। हेमंत सोरेन के छोटे भाई और दुमका विधानसभा से विधायक-मंत्री बंसत सोरेन खुद की और पार्टी-परिवार की साख बचाने में सफल रहे। दुमका से पार्टी प्रत्याशी नलिन सोरेन की जीत में बंसत सोरेन की अहम भूमिका बतायी जा रही है। नलिन सोरेन के घोषणा और नामांकन के बाद से ही बसंत सोरेन दुमका में कैंप कर गए। यही कारण रहा कि वे किसी भी अन्य सीटों के चुनावी सभा से बंसत सोरेन दूर रहे। यह भी कयास लगाते जाते रहे कि बंसत सोरेन पार्टी और परिवार से नाराज चल रहे हैं, मगर वह सभी कयासों को बंसत ने दुमका की जीत के बाद पूरी तरह से धराशाही हो गया। पार्टी दुमका की जीत पर बंसत की भूमिका को नजर अंदाज नहीं कर सकती है। इसलिए पार्टी दुमका पर जीत का सेहरा बसंत सोरेन के सिर बांधने को तैयार है। इस संबंध में पूछे जाने पर सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि निश्चित ही दुमका की जीत पर बंसत की भूमिका काफी अहम रही। उनका रोल लीड रहा।

गुमला विधायक भूषण तिर्की समेत 6 आरोपियों के खिलाफ आरोप गठन 12 जून को

रांची (आजाद सिपाही)। गुमला विधायक भूषण तिर्की समेत 6 आरोपियों की मुश्किलें बढ़ेंगी। इनके आरोप गठन पर एमपीध्एमएलए की विशेष अदालत 12 जून को सुनवाई करेगीण जिनके खिलाफ आरोप गठन होना है उनमें भूषण तिर्की के अलावा फ्लोरा मिंज, शीला टोप्पो, शांति मारग्रेट बाड़ा, पुष्पा किस्पोट्टा, रंजीत सरदार शामिल है। पूर्व में एमपी-एमएलए कोर्ट ने भूषण तिर्की और अन्य आरोपियों की डिस्चार्ज याचिका खारिज कर दी थी। घटना को लेकर गुमला थाना में भूषण तिर्की के साथ फ्लोरा मिंज, शीला टोप्पो, शांति मारग्रेट बाड़ा, पुष्पा किस्पोट्टा, रंजीत सरदार के खिलाफ वर्ष 2016 में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।

चतरा लोकसभा में बीजेपी की जीत पर लातेहार में जश्न

मुकेश कुमार सिंह

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार चतरा लोकसभा में भाजपा प्रत्यासी कालीचरण सिंह की जीत पर लातेहार जिला के सभी प्रखंड में भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता गण भाजपा के जिला अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह ने कहा कि यह जीत नरेंद्र मोदी जी की जीत भाजपा के कार्यकर्ताओं की जीत है जनता की जीत है।

कालीचरण सिंह चतरा लोकसभा के स्थानीय उम्मीदवार के रूप में पूरे स्थानीय उम्मीदवार इस बार जीत दर्ज किया है पूरे देश भर में यह एक मिथक बन गयी थी कि आज तक चतरा लोकसभा के स्थानीय उम्मीदवार आज तक नहीं जीत पाया है यह एक प्रश्न बन गया था जो प्रश्न अब खत्म हो गया अब कोई नहीं कहेगा कि क्षेत्र लोकसभा का स्थानीय उम्मीदवार आज तक जीत नहीं पाया है। वही सभी प्रखंडों में स्थानीय कार्यकर्ता सभी विंग के युवा कार्यकर्ता गाजे बाजे के साथ सड़क पर उतरकर आतिशबाजी कर रहे हैं और आपस में मिठाइयां बांटने का काम कर रहे हैं।

चंदवा प्रखंड के इंदिरा गांधी चौक पर भी स्थानीय कार्यकर्ता एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशी के जीत पर जश्न मना रहे हैं और मिठाई बांटने का काम कर रहे हैं एक दूसरे को मुंह में खिलाने का भी कार्य किया है साथ ही साथ लगातार आतिशबाजी भी कर रहे हैं इस अवसर पर राजकुमार पाठक शिकेश्वर यादव आदर्श रविराज सूरज नारायण साहू आशीष कुमार सिंह प्रेम कुमार नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ छोटू चंद्र भूषण केसरी उर्फ मंटू केसरी रोहित शाहदेव कृष्ण कुमार राजकुमार अग्रवाल समेत भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता जीत का लगातार नारे बुलंद कर रहे थे।

बालूमाथ में भाजपाइयों ने कालीचरण सिंह की जीत की खुशी में की अतिशबाजी

संतोष सिन्हा

बालूमाथ (आजाद सिपाही)। बालूमाथ प्रखंड के मुख्यालय समेत विभिन्न क्षेत्रो मे मंगलवार को चतरा लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी की जीत पर पुरजोर तरीके से अतिशबाजी किया है। इस मौके पर प्रखंड मुख्यालय स्थित मुख्य मुरपा मोड़ चौक चौक पर भाजपाईयो, युवाओ, समर्थको ने अतिशबाजी कर जीत की खुशी का जश्न मनाया। बता दें कि चतरा के भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह एवं इंडिया गठबंधन के प्रत्यासी के एन त्रिपाठी में कांटे की टक्कर देखने को मिला। भाजपा प्रत्यासी कालीचरण सिंह समाचार लिखने तक जानकारी के अनुसार इंडिया गठबंधन के प्रत्यासी के एन

त्रिपाठी को 2,25,494 मतो से पराजित किया है। कालीचरण सिंह को 5,66,658 मत प्राप्त हुये जबकि श्री त्रिपाठी को 3 लाख 66 हजार 658 मत प्राप्त हुए।

कालीचरण सिंह की जीत पर खूब उड़े गुलाल, हुई आतिशबाजी

रवि कु गुप्ता

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के निर्णायक बढ़त और चतरा संसदीय क्षेत्र से भाजपा के कालीचरण सिंह का लगातार निर्णायक बढ़त मिलने और जीत की और अग्रसर होने की खबर आने के साथ ही प्रखंड भाजपा मंडल के मंडल अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह के नेतृत्व में प्रखंड भाजपा सदस्यों द्वारा जमकर आतिशबाजी छोड़ी गयी और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर, अबीर गुलाल लगाते एक दूसरे को बधाई दी गयी। भाजपा मंडल अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह द्वारा इस अवसर पर बस स्टैंड में सभी दुकानदारों को मिठाई खिला कर जीत की अग्रिम बधाई दिया। इसके साथी भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जमकर आतिशबाजी छोड़ी गई। मौके पर मनोज यादव मनोज यादव, मनोज प्रसाद, ईश्वरी सिंह, हेमंत कश्यप, दिलीप यादव, नंददेव सिंह, रवि गुप्ता,अमृत ब्रजेश सिंह,मिथलेश सिंह,बिट्टू कन्हाई प्रसाद,पारस जायसवाल, विनय चंदेल, उपेंद्र प्रसाद समेत काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता साथ थे।

चुनाव परिणाम के पूर्व शांति व्यवस्था को लेकर जगह-जगह मुस्तैद रहा प्रशासन

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। लोकसभा निर्वाचन आम चुनाव सम्पन्न होने के पश्चात 4 जून मंगलवार को लोहरदगा लोकसभा चुनाव का मतगणना को लेकर सेन्हा थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाने के लिये जिला प्रशासन के निर्देश पर जगह जगह सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इन्तिजाम किया गया था। सेन्हा थाना क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न चौक चैराहों पर चुनाव परिणाम के दौरान उपद्रवियों तथा शरारती तत्वों से निपटने के लिए झारखंड पुलिस बल के जवान और गृह रक्षा के जवानों को अरु, सेन्हा, बक्सीडीपा, कंडरा भड़गांव, कल्हेपाट सहित विभिन्न जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर तैनात किया गया है। वही बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के उपरांत तथा मतगणना के

क्रम में किसी तरह का हंगामा या उपद्रव न हो और शांति व्यवस्था कायम रहे। वही मतगणना के दौरान सभी लोग अपने अपने घरों में दूरदर्शन और मोबाइल से लोकसभा चुनाव का परिणाम जानने के लिए व्यस्त रहे। लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस का परिणाम अच्छा देख विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ता सदमे में है और काफी चिंतित हो रहे है। लेकिन अभी भी उम्मीद जताया जा रहा है कि मत वापसी होने की संभावना है। जीत के जश्न में शरारती तत्वो द्वारा शांति भंग न हो जिसको लेकर उपायुक्त डॉ0 वाघमारे प्रसाद कृष्ण और पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां के निर्देश पर सेन्हा थाना क्षेत्र में जगह जगह पर सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया है। जबकि आदेशानुसार प्रशिक्षु एसपी सह थाना प्रभारी वेदांत शंकर सुरक्षा बल के साथ क्षेत्र का भ्रमण कर तैनात पुलिस पदाधिकारी से जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

हिंडाल्को ने बच्चों के बीच करायी पेंटिंग प्रतियोगिता

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड खान प्रभाग द्वारा लोहरदगा स्थित गुरुकुल शांति आश्रम में अध्यनरत ब्रम्हचारियों के बीच विश्व पर्यावरण दिवस 2024 पर पर्यावरणीय पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल 62 बच्चों ने प्रतियोगिता में शामिल होकर अनुकरणीय एवं सुंदर प्रस्तुति के साथ पर्यावरण संरक्षण पर पेंटिंग बनायें। मौके पर हिंडाल्को पर्यावरण विभाग के अधिकारी आनंद तिवारी एवं अभिलाषा सिंह एवं गुरुकुल के आचार्य गण मौजूद रहे।

श्रेष्ठ पेंटिंग के साथ साथ सभी शामिल प्रतियोगियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। साथ ही पर्यावरण के प्रति सभी बच्चों को जागरूक भी किया गया।

पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी : राजेश रंजन

हिंडाल्को द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरणीय जागरूकता के तहत जूट बैग का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड खान प्रभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरणीय जागरूकता के तहत लोहरदगा के मैना बगीचा एवं बिशनपुर स्थित साप्ताहिक बाजार में आम जनों के बीच जूट बैग का वितरण किया गया। मौके पर लोहरदगा कलस्टर के महाप्रबंधक राजेश रंजन अंबस्था, अकाउंट हेड अमिताभ चक्रवर्ती, पर्यावरण विभाग की सहायक प्रबंधक अभिलाषा सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मौके पर महाप्रबंधक राजेश रंजन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। सिंगल

यूज प्लास्टिक के थैले के स्थान पर जूट या कपड़े से बने थैले का प्रयोग करें। जूट से बने थैले का वितरण सैकड़ों लोगों के बीच किया गया।

इसी तरह दूसरी गठित टीम द्वारा भी बिशुनपुर में ग्रामीणों के बीच किया गया। मौके पर प्रबंधक (पर्यावरण विभाग) आनंद तिवारी, विशाल सिंह (लीगल), अजीत सिंह (एचआर), राकेश तिवारी (सीएसआर), देव ज्योति आदि मुख्य रूप से शामिल हुए।

क्रिकेट ट्रेनिंग सेंटर ने टूर्नामेंट का आयोजन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। क्रिकेट ट्रेनिंग सेंटर के तत्वाधान में समर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन बीएस कॉलेज क्रिकेट स्टेडियम में किया गया जिसमें दो मैच खेला गया। जिसमें आज का पहला मैच पेसरार एवं लोहरदगा के बीच खेला गया। जिसमें पेसरार की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी। निर्धारित 25 ओवर में पेसरार की टीम 7 विकेट खोकर 190 रन बने टीम के तरफ से सबसे अधिक कप्तान सुशांत ने 80 रन तथा मनजीत ने 21 और दानिश ने 17 रन बनाये। वहीं लोहरदगा टीम के तरफ से बॉलिंग में मनीष ने 5 विकेट तथा अनस और कृष्णा ने एक-एक विकेट लिए जवाबी पारी खेलने उतरी लोहरदगा की टीम 20.2 बाल में 10 विकेट होकर 141 रन ही बना सके। टीम के तरफ से सबसे ज्यादा अर्जुन ने 45 मिथलेश ने 17 तथा वारिस ने 13

रन बनायें। वही पेसरार टीम के तरफ से बोलिंग में सदाम ने 4 विकेट शीर्ष ने 3 विकेट लिए। इस मैच को आसानी से पेसरार की टीम ने 49 रनों से जीत लिया। उसके बाद आज का दूसरा मैच कैरो व भंडरा के बीच टी 20 खेला गया। जिसमें भंडरा ने टॉस जीत कर फील्डिंग करने का फैसला किया। कैरो की टीम निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर कर 162 रन बनाएं टीम के तरफ से नयन ने 62 नीतीश ने 42 तथा रिजवान ने 15 रन बनाएं। वही भंडरा की टीम के तरफ से बॉलिंग में अमन, चिक्कू और नितिन सभी ने एक एक विकेट लिए जवाबी पारी खेलने उतरी भंडरा की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 163 रन बना लिए टीम के तरफ से नितिन ने 75 अमन ने नाबाद 26 तथा अंकुश ने 19 रन बनाएं। वही कैरो की टीम के तरफ से रणवीर ने 4 विकेट और यश ने 1 विकेट लिया। इस रोमांचक मैच को भंडरा की टीम ने तीन विकेट से जीत लिया। मैच के दौरान क्रिकेट खिलाड़ी व क्रिकेट कोच अमित कुमार, जगजीत चौबे लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के जॉइंट सेक्रेटरी दुर्गा प्रजापति, सरोज प्रजापति कुश्ती कोच महादेव राव सभी उपस्थित थे। समर कप का मैच 8 तारीख तक लगातार चलता रहेगा।

लोहरदगा में फ्लिपकार्ट के डिलीवरी पार्टनरों ने की हड़ताल

डिलीवरी रेट कम करने से थे नाराज, ई-कार्ट कार्यालय के समक्ष दिया धरना

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म फ्लिपकार्ट के डिलीवरी पार्ट्नर ने डिलीवरी रेट कम करने के खिलाफ मंगलवार को हड़ताल कर दी। आक्रोशित कर्मचारियों ने लोहरदगा बीआईडी छतर बगीचा गुमला रोड स्थित ई कार्ट कार्यालय के समक्ष धरना देकर सुबह में विरोध जताया। कर्मचारियों ने कहा कि दूसरी कंपनी में कर्मचारियों का वेतन और कमीशन बढ़ाने का नियम है। जबकि फ्लिपकार्ट डिलीवरी का रेट कम कर रहा है। बढ़ाने की बजाय लगातार घट रहे हैं डिलीवरी रेट लॉकडौन से पहले प्रति पार्सल डिलीवरी करने में उन्हें 17-18 रुपये मिलते थे। बाद में इसे घटाकर 14 रुपये कर दिया गया,

और अब डिलीवरी का रेट 07 से 10 रुपये हो गया है, जो कर्मचारियों के साथ अन्याय है। कर्मचारियों ने कहा कि कई वर्षो से काम कर रहे हैं। डिलीवरी रेट बढ़ाने की जगह और घटाया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा नया रेट वापस नहीं लेने तक हड़ताल जारी रहेगी। बताया जाता है कि अभी फ्लिपकार्ट कार्यालय से डिलीवरी कार्य में 40 युवक जुड़े हैं। युवको ने बताया कर्मचारियों को पेट्रोल भी खुद से भरवाना पड़ता है। मौके पर अश्विनी देव, आकाश कुमार, सुमन कुमार, संतोष कुमार, भगीरथ कुमार, दीपक राम, शुभम, रोहित, सोनू, सद्दाम, मुन्तजिर, निरंजन, सद्दाम अंसारी, फैजल, फैज, शंकर उरांव, रिजवान, आरिफ वीरेंद्र समेत अन्य मौजूद थे।

बारियातू में भाजपाइयों ने जीत पर मनाया जश्न

कुतुबुद्दीन

बारियातू (आजाद सिपाही)। चतरा लोकसभा चुनाव के रूझान में भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के 15 वें रौंड तक लगातार बढ़त मिलने पर बालूमाथ और बारियातू मंडल कार्यालय में भाजपाइयों ने मंगलवार को जश्न मनाते दिखे। भाजपा कार्यकताओं ने मंगलवार को बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित मुरपा मोड़ चौक पर तों बारियातू मंडल कार्यालय पहुंच कर चतरा में चल रहे मतगणना का पल पल का खबर लेने के लिए सुबह नौ बजे से ही जुटने लगे। दोपहर बाद पंद्रहवीं रौंड में भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह एक लाख वोट से कांग्रेस प्रत्याशी कृष्णानंद त्रिपाठी को पछाड़ कर आगे बढत बनाने का सूचना मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

दौड़ पड़ी और एक दुसरे को मिठाई खिलाकर व जम कर आतिशबाजी कर खुशी जाहिर किया। सामाचार लिखे जाने तक भाजपा कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओ की भीड़ लगी हुई थी। मौके पर बालूमाथ प्रखंड से गंगेश्वर यादव, विनोद राणा, देवन्दन प्रसाद, संतोष कुमार सिन्हा, अखिलेश भोक्ता, रंजीत गुप्ता, शैलेश सिंह, रंजय सिंह, रविन्द्र सिन्हा-भानु, अरविंद भगत, सतेन्द्र पांडेय, रामदेव साव, प्रमोद प्रसाद साहु सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर के द्वितीय वर्षगांठ पर निकाली भव्य कलश यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के बरवा टोली स्थित मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर के द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा सिठियो कोयल नदी से शुरू हुई जहां नदी तट पर सैकड़ों की संख्या में महिलायें और किशोरियों ने कलश में जल लेकर पैदल लगभग 5 किमी तक चलकर मंदिर परिसर पहुंची। इस दौरान भक्ति गीतों और जयकारों से परिवेश गूंजता रहा। काफी संख्या में भक्त कलश यात्रा के साथ चल रहे थे। पुरोहित जयशंकर मिश्रा, उत्तम शास्त्री सहित अन्य पुजारियों द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर कलश यात्रा प्रारंभ कराया गया। कलश यात्रा सिठियो कोयल नदी से शुरू होकर सेरेंगहातु होते हुए मंदिर

परिसर तक श्रद्धालु पहुंची। सीठियो कोयल नदी से मंदिर परिसर तक भगवा झंडे से सजाया गया था। लोग हाथों में भगवा ध्वज लिए चल रहे थे। मंदिर कमेटी की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों से आनेवाले श्रद्धालुओं के लिए वाहनों की भी व्यवस्था की गयी थी। श्रद्धालुओं की हर सुविधा का ध्यान मंदिर कमेटी ने रखा था। मंदिर पहुचने के उपरांत शर्बत, पानी, फल आदि की व्यवस्था की गयी थी। वही श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कमेटी की ओर से विशेष तैयारियां किया गया था। सड़क किनारे दोनो ओर कमेटी के लोग घेरा बनाये चल रहे थे। इधर मंदिर समिति अध्यक्ष रमेश साहू ने बताया कि मंदिर का द्वितीय वार्षिकोत्सव भव्य और ऐतिहासिक हो रहा है। इसकी तैयारियों को लेकर समिति के पदाधिकारी, संरक्षक व सदस्य दिन रात जुटे हुए थे। कहा कि पूरे विश्व मे एक मात्र प्राचीनतम धर्म कोई है तो वह है सनातन धर्म। इस धर्म को आत्मिक पूजन करने वाला कोई देश है तो वह है एकमात्र भारत देश। यह कहना तनिक भी अतिश्योक्ति नहीं होगी कि अपना देश व धर्म की रक्षा हेतु सनातन समाज काफी गंभीर हो चुकी है, और यही पहचान है कि अब अपना देश बदल रहा है। इधर कलश यात्रा में उमड़ी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद दिखायी दिये। हर चौक चौराहों पर पुलिस के जवान मौजूद थे। सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद थी।

गौरतलब है कि लोहरदगा जिला में विगत कुछ समय से सनातन समाज में धर्म को लेकर जो समर्पण और गम्भीरता देखने को मिली है, वह केवल लोहरदगा जिला ही नहीं सम्पूर्ण देश में यह मिशाल के रूप में प्रस्तुत करने योग्य बात है। आज लोहरदगा जिला के सनातन समाज को केवल इतना जानकारी हो जाना चाहिए कि आज किसी स्थान या मुहल्ले में मंदिर का नवनिर्माण करने हेतु सहयोग की जरूरत है या फिर जीर्णोद्धार की आवश्यकता, सनातन समाज बिना एक पल गवायें तुरंत सहयोग हेतु अपना तन, मन व धन के साथ आगे आ जाती है। उदाहरण स्वरूप मुक्तिधाम का जीर्णोद्धार, मनोकामना शिव मंदिर का नवनिर्माण व धूम धाम के साथ भव्य तरीके से प्राण प्रतिष्ठा होना है। लोहरदगा जिला के सनातनों की सक्रियता की अलग ही कहानी परिलक्षित कर रही है।

बिना पोस्टमार्टम शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

बालूमाथ। लातेहार जिला के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत धाधू पंचायत के मुरगांव निवासी कमलेश गंझू उम्र लगभग 16 वर्ष पिता कुलेश्वर गंझू बीते दिन शनिवार को महुआ के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार पारिवारिक मामले में आकर कमलेश गंझू महुआ का पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। आत्महत्या की सूचना ग्रामीणों के द्वारा परिजनों को दी गई, जिसके बाद मृतक के माता-पिता घटनास्थल पहुंचे जहां महुआ पेड़ से लटका देखा परिजनों ने तुरंत पेड़ से शव को उतारा। पुलिस को बिना सूचना दिए हुवे आनंन फानन में ग्राम प्रधान सकेंदर गंझू के मौजूदगी में अन्य लोगों के द्वारा अंतिम संस्कार कर दिया गया। बताते चले कि अगर आत्महत्या किसी व्यक्ति ने कर ली हो तो पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी है कि उसे पोस्टमार्टम कराना। पोस्टमार्टम ना कर जल्दबाजी में ग्राम प्रधान सकेन्दर गंझू के द्वारा परिजनों को समझाते बुझाते अंतिम संस्कार के लिए शमशान घाट ले गए, और अंतिम संस्कार कर दिया गया। बताते चले की ग्राम प्रधान की जिम्मेदारी गांव को लेकर चलना होता है अगर किसी ने गलती की तो उसे बैठक कर समझाने बुझाने का भी अधिकार ग्राम प्रधान की होती है यह ग्राम प्रधान की तालिबानी फैसला से लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है कि बिना सूचना दिए हुए अंतिम संस्कार कर दिया गया।

क्या कहते हैं गांव के मुखिया : मुखिया बताते हैं कि फांसी लगाने की सूचना हमें नहीं मिली है। ग्राम प्रधान सकेंदर गंझू के द्वारा इसकी सूचना मुझे आज ग्रामीणों के द्वारा मिली और जब हमने पता किया तो यह बात सत्य पाया की मृतक कमलेश गंझू ने शनिवार को दिन में 12 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या किया है।

खूंटी में ध्वस्त हुआ भाजपा का किला, कड़िया मुंडा की विरासत को बचाने में नाकाम रहे अर्जुन मुंडा

कालीचरण मुंडा ने डेढ़ लाख वोटों से दी अर्जुन मुडा को कड़ी शिकस्त

निर्वाची पदाधिकारी लोकश मिश्रा ने कालीचरण मुंडा को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा।

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जनजातियों के लिए सुरक्षित खूंटी संसदीय क्षेत्र में भाजपा का किला ध्वस्त हो गया। भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा पद्मभूषण कड़िया मुंडा की इस परपंरागत सीट को बचाने में नाकाम रहे। कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा ने एकतरफा मुकाबले में अर्जुन मुंडा को लगभग 149675 मतों से कड़ी शिकस्त दी। मतगणना के पहले से लेकर अंतिम 17वें राउंड तक अर्जुन मुंडा एक बार भी कांग्रेस उम्मीदवार पर बढ़त नही बना सके। खूंटी संसदीय क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में कालीचरण मुंडा कों बढ़त मिली। अर्जुन मुंडा को अपने विधानसभा क्षेत्र में भी मतदाताओं ने नकार दिया। अन्य सभी उम्मीदवारों की भूमिका सिर्फ वोटकटवा की रही। चुनाव परिणाम की घोषण होने के बाद निर्वाची पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकश मिश्रा ने कालीचरण मुंडा को जीत का प्रमाणपत्र सौंपा। ज्ञात हो कि पिछले लोकसभा चुनाव में अर्जुन मुंडा कालीचरण मुंडा को 1445 वोटों के अंतर से हराकर सांसद बने थे, लेकिन इस बार कालीचरण मुंडा ने बड़े अंतर से अर्जुन मुंडा को पराजित कर पिछली हार का बदला चुका लिया। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के कालीचरणन मुंडा को 511647 वोट मिले, जबकि भाजपा के अर्जुन मुंडा को 361972 मतों से संतोष करना पड़ा।

दूसरे चक्र की मतगणना के बाद ही कार्यकर्ता मनाने लगे थे जश्न

मतगणना के पहले ही चक्र में कालीचरण मुंडा ने अर्जुन मुंडा से लगभग दस हजार मतों की बढ़त ले ली और मतगणना के हर चक्र के बाद अर्जुन मुंडा पिछड़ते रहे। एक बार भी अर्जुन मुंडा को बढ़त ननही मिली और अंतिम दौर की गणना के बाद कांग्रेस प्रत्याशी ने भाजपा के अर्जुन मुंडा को लगभग डेढ़ लाख वोटों के अंतर से पराजित कर दिया। दूसरे चक्र की मतगणना के बाद अर्जुन मुंडा 20 हजार के अंतर से पिछड़ गये। इसकी जानकारी मिलते ही कांग्रेस, झामुमो और राजद कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया। जैसे-जैसे मतगणना का दौर समाप्त होने लगा इंडी गठबंधनन के समर्थकों की भारी भीड़ मतगणन केंद्र के बाहर जमा होने लगी। कार्यकर्ताओं ने नाच-गाकर और पटाखे फोड़ कर और अबीर गुलाल लगाकर अपनी खुशी का इजहार किया। जैसे ही विजयी प्रत्याशी कालीचरण मुंडा मतगणना केंद्र से बाहर निकले, कार्यकताओं ने उन्हें फूलमालाओं से लाद दिया।

बधाई देने पहुंचे चारों विधायक

चुनाव परिणाम की घोषणा होने के पहले ही विधायक दशरथ गागराई, विकास सिंह मुंडा, नमन विक्सल कोंगाड़ी और भूषण बाड़ा के अलावा झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद सहित महागठबंधन कें कई नेता मतगणना स्थल पर जाकर काली चरण मुंडा को जीत की बधाई दी। **तीसरे राउंड की गणना के बाद जीत की बधाई देकर बाहर निकल गये भाजपा के एजेंट :** मतगणना कें तीसरे राउंड में कालीचरण मुंडा को जब 39 हजार से अधिक वोटों की बढ़त मिली, भाजपा के मतगणना एजेंट अधिवक्ता लाल रूपेंद्र नाथ शाहदेव कालीचरण मुंडा को बधाई देकर मतगणना केंद्र से बाहर निकल गये।

जनता की सेवा के लिए हमेशा उपलब्ध हूं: कालीचरण मुंडा

केंद्रीय मंत्री और अपने परंपरागत प्रतिद्वंद्वी भाजपा के अर्जुन मुंडा को कड़ी शिकस्त देने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कालीचरण मुंडा ने कहा कि यह जीत खूंटी संसदीय क्षेत्र की जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि वे जनता की सेवा हर समय उपलब्ध है। उन्होंन कहा कि किसानों की तकलीफ दूर करना, खूंटी बाईपास सड़क का निर्माण, नॉलेज सिटी जैसे कार्य उनकी प्राथमिकताओं में हैं।

तीसरे प्रयास में कालीचरण मुंडा ने चखा जीत का स्वाद

लगातार दो पराजय के बाद अंततः कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा ने तीसरे प्रयास में जीत का स्वाद चखा। 2014 के संसदीय चुनाव में भाजपा के कड़िया मुंडा से कालीचरण म्रुडा पराजित हो गये थे। 2019 के चुनाव में अर्जुन मुंडा ने उन्हें महज 1445 वोटों के अंतर से पराजित किया था।

पांचवें राउंड के बाद ही खाली हो गया भाजपा का तंबू

मतगणना का परिणाम जानने के लिए खूंटी, तोरपा, सिमडेगा, खरसावां तमाड़ सहित काफी दूर-दूर से भाजपा कार्यकर्ता मतगणना केंद्र के पास पहुंचे थे,। इसके लिए भाजपा द्वारा विशाल अेंट लगाया गया था, लेकिन जैसे-जैसे भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुडा पिछड़ते गये, भाजपा कार्यकर्ता वहां से जाने लगे। पांचवें राउंड के बाद तो भाजपा का तंबू लभग खाली हो चुका था।

किसको मिले कितना मत

इस लोकसभा चुनाव में खूंटी संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस के कालीचरण मुंडा को 511647 मत, भाजपा के अर्जुन मुंडा को 361972 वोट मिले। बहुजन समाज पार्टी की सावित्री देवी को 12300 वोट, झारखंड पार्टी की अपर्णा हंस को 8532, भारत विकास पार्टी की बबिता कच्छप को 4594, निर्दलीय पास्टर संजय कुजूर को 4963, निर्दलीय बसंत लोंगा को 10755 और नोटा को 21919 वोट मिले।

अर्जुन मुंडा को तोरपा और खूंटी में अपनों का ही नहीं मिला साथ : अनुसूचित जनजातियों के लिए सुरक्षित खूंटी संसदीय सीट के लिए 13 मई को वोटरों ने अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान कर दिया था। इस सीट पर इस बार भी दो पुराने प्रतिद्वंद्वियों भाजपा के अर्जुन मुंडा और कांग्रेस के कालीचरण मुंडा के बीच ही मुख्य मुकाबला था, लेकिन इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को अपने लोगों का ही साथ नहीं मिला। भाजपा का गढ़ समझे जानेवाले खूंटी ससंदीय क्षेत्र में इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा को भाजपा नेताओं और प्रखंड से लेकर जिला तक फैली सांसद प्रतिनिधियों ने ही चुनाव में रुचि नही दिखाई। एक कार्यकर्ता ने कहा कि न तो खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुडा और न ही तोरपा के विधायक कोचे मुंडा ने चुनाव प्रचार में रुचि दिखाई। भाजपा कार्यकर्ता कहते हैं कि इस बात का पहले से ही अंदेशा था कि कांग्रेस सरना वोट में सेंधमारी कर सकती है, पर इस ओर भाजपा नेताओं ने यह कहकर चुप्पी साध ली कि यह सब तो चुनाव में होता ही है। कार्यकर्ता आरोप लगाते हैं कि खूंटी और तोरपा विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में चुनाव प्रचार के लिए न तो विधायक पहुंचे और न ही जिला स्तरीय नेता और न मंडल स्तर के नेता। चुनाव प्रचार के लिए न तो जिलाध्यक्ष निकले और न ही अन्य पार्टी पदाधिकारी। भाजपा के पुराने कार्यकर्ता कहते हैं लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा की ऐसी कुव्यवस्था कभी नहीं देखी गई थी। विधायक और जिला स्तरीय नेता सिर्फ शहरी क्षेत्रों में ही चुनाव प्रचार करते दिखे, लेकिन गांवों में जाने के मामले में उन्होंने उदासीनता दिखाई। जनसंघ काल के एक पुराने कार्यकर्ता नें कहा कि विधानसभा चुनाव होता, तो क्या दोनों विधायक ऐसे ही काम करते। एक कार्यकर्ता ने कहा कि अर्जुन मुंडा की जनता से दूरी भी उनकी हार का कारण बनी। उन्होंने कहा कि अर्जुन मुडा ने क्षेत्र की जनता को कभी तरजीह नही दी। काम के लिए सैकड़ों सांसद प्रतिनिधियों की फौज खड़ी कर दी गई, लेकिन उसका कोई लाभ चुनाव मं नहीं मिला। चुनाव के दौरान मंडल और पंचायत स्तर कें कार्यकर्ताओं को कोई तरजीह नहीं दी गयी। चुनाव का सारा प्रबंधन कुछ नेताओ के हाथों तक सिमट कर रह गया। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के एक कार्यकर्ता ने कहा कि खूंटी संसदीय क्षेत्र में रौतिया जाति के वोटरों की संख्या एक लाख से अधिक है। आदिवासी का दर्जा नहीं दिये जाने से इस समाज के लोगों में नाराजगी थी। इस बात की जानकारी भाजपा के छोटे-बड़े नेताओं को थी। इस जाति को भाजपा का परंपरागत वोटर माना जाता है, पर इस बार के चुनाव में रौतिया समाज के लोगों ने अपनी जाति की बहुजन समाज पार्टी की प्रत्याशी सावित्री देवी को वोट देने का मन बना लिया था, लेकिन भाजपा के किसी बड़े नेता ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। फलतः वोटो का नुकसान उठाना पड़ा।

रविंद्र राय को लोकसभा के साथ खूंटी विधानसभा प्रभारी बनाने पर उठ रहे सवाल : खूंटी संसदीय सीट के लिए भाजपा की ओर से पूर्व मंत्री डॉ रविंद्र राय को खूंटी लोकसभा का प्रभारी बनाया गया था। इसके साथ ही राय को ही खूंटी विधानसभा का भी प्रभारी बना दिया गया। इस पर कार्यकर्ता सवाल उठा रहे हैं कि क्या खूंटी संसदीय क्षेत्र के पांच जिलों में खूंटी विधानसभा प्रभारी के योग्य भाजपा नेताओं को मिला।भाजपा के कई नेता तो इसके लिए भाजपा के संगठन मंत्री कर्मपाल सिंह को ही जिम्मेवार मानते हैं। कुछ कार्यकताओं ने तो यहां तक कहा कि भाजपा के कुछ नेता खुद को संगठन से ऊपर समझने लगे थे। इसका खमियाजा भजपा को चुनाव में भुगतना पड़ा।

अशोक परियोजना में कोयला मजदूरों ने किया बायोमेट्रिक सिस्टम का विरोध

संयुक्त मोर्चा ने गेट मीटिंग कर सीसीएल प्रबधंन को दी चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र मे बायोमेट्रिक सिस्टम से कोयला मजदूरों की हाजिरी बनाने का मामला अब तुल पकड़ने लगा है। कोयला मजदुर अब बायोमैट्रिक सिस्टम के खिलाफ अपना विरोध जाता रहे हैं। मंगलवार को पिपरवार क्षेत्र के अशोक परियोजना के पीट ऑफिस में संयुक्त मोर्चा के बैनर तले गेट मिटिंग का आयोजन किया गया। जनता मजदुर संघ के नेता मोहम्मद जैनुल की अध्यक्षता मे आयोजित इस गेट मिटिंग मे कई श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान अशोक परियोजना में बायोमेट्रिक सिस्टम से हाजिरी बनाने का कोयला मजदूरों ने पुरजोर तरीके से विरोध किया। गेट मीटिंग को संबोधित करते हुए श्रमिक प्रतिनिधियों ने कहा कि मजदूरों की सुख सुविधा में प्रबधंन कटौती करने का प्रयास कर रही है, जिसे किसी भी कीमत मे बर्दाश्त नही किया जायेगा। मजदुरो के प्रमोशन, आवास मरम्मत, कैंटीन, शुद्ध पेयजल, तौलिया, शिफ्ट बस, वाटर बोतल में कटौती किया जा रहा है। उसके बाद भी बायोमेट्रिक सिस्टम से हजारी बनाने का दबाव प्रबंधन की ओर से दिया जा रहा है। जिसका संयुक्त मोर्चा पुरजोर विरोध करती है। संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधियों ने अपना विरोध प्रदर्शन करते हुए पूर्व की भांति फार्म डी में सभी कोयला मजदूरों का हाजिरी बनाने की मांग की है। साथ ही मांगे पूरी नहीं होने पर अशोक परियोजना मे जोरदार आंदोलन करने की चेतावनी प्रबंधन को दी गयी। सभा को कामेश्वर राम, श्रीवास्तव पासवान, संजीव चंद्रा, लखन साव, धनेश्वर गंझु,मोहम्मद रहमतुल्ला, अनिल सिंह, गणेश रविदास, सोमर गझू सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। इस मौके पर बसंत कुमार,राजेश प्रजापति, हेमराज प्रजापति, टिकेश्वर ठाकुर, मुन्ना ठाकुर, गंदोरी गंझु, पुनीता देवी, लालो देवी, पानो देवी, शीला देवी, सावित्री देवी, बासुदेव गंझु, शंकर राम, रामभुवन राम, ललित ठाकुर, हिरामन गंझु, पंकज कुमार सिंह सहित कई कोयला मजदुर उपस्थित थे।

संजय सेठ की जीत पर खलारी में जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। भाजपा के रांची लोक सभा प्रत्याशी संजय सेठ की जीत पर खलारी केडी हिन्दुगढ़ी चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता जीत की खुशी में गाजे बाजे के साथ हिन्दुगढ़ी चौक पहुंचे। जहां पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाते हुए जोरदार आतिशबाजी की। वहीं लोगों के बीच लड्डू बांट कर जीत की खुशियां मनाया। उसके बाद केडी हिन्दुगढ़ी चौक से भाजपा कार्यकर्ता जीत की खुशी में क्षेत्र का गाजे बाजे के साथ भ्रमण किया।

भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि लगातार दुसरी बार रांची लोकसभा सीट से संजय सेठ विजयी हुए है। इस बार वह डेढ़ लाख वोटो से जीत दर्ज किए है। वहीं केन्द्र में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। इस अवसर पर मुख्य रूप से सरस्वती देवी, सुशील अग्रवाल, रामसूरत यादव, दिलीप पासवान, प्रताप यादव, प्रदीप परमाणिक, भरत प्रजापति, डीएन शर्मा, पंकज मिश्रा, रविन्द्र गिरि, विजय सोनी, प्रहलाद सोनी, मुकेश सोनी, संजय गुप्ता, प्रदीप लोहरा, विकास सिंह, अयोध्या ठाकुर, मोहन ठाकुर, राकेश सिंह छोटु, विजय गुप्ता, हरेन्द्र सिंह, उदय भान सिंह, मुकेश सिंह, नवीन ठाकुर, अमित विश्वास, लालु महतो, रामसेवक यादव, गौतम यादव, गोपाल यादव, बिगन पासवन, धर्मेन्द्र सिंह, मिथिलेश सिंह, अनुज सिंह, बंधन गंझू, शंकर गुप्ता, रविन्द्र पासवान सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

कालीचरण मुंडा की जीत की खुशी में जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। खूंटी लोकसभा से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी कालीचरण मुंडा के जीत की खुशी में झामुमो कार्यकर्ता तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा के आवास से मोटरसाइकिल जुलूस निकालकर चौक बाजार सुभाष चौक होते हुए धुर्वा मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्थल पहुंचे और जमकर आतिशबाजी की जिस अवसर पर कार्यकर्ताओं में जोश देखा गया। मौके पर शिव प्रजापति गणेश मछुआ बबलू कुंडू, मेथा पाल सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एनडीए प्रत्याशी की जीत में मनायी खुशी

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। रांची लोकसभा के एनडीए प्रत्याशी संजय सेठ और गिरिडीह लोकसभा के प्रत्याशी चंद्र प्रकाश चौधरी के जीत के जश्न में गुरुवार शाम को मिलन चौक में आजसू प्रखंड अध्यक्ष गोपेश कुमार महतो के नेतृत्व में जश्न मनाया गया साथ ही अबीर गुलाल लगा कर तथा मिठाई बांठ कर खुशी मनाई गयी। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष गोपेश कुमार महतो ने कहा कि पूरे भारत देश में माननीय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरा बार केंद्र का सरकार बनेगा और विकसित भारत का सपना पुरा होगा। मौके पर दिलीप दास, भगत सिंह मुंडा, सुबल पांडेय, महेन्द्र महतो,परान महतो, बीरबल गोप, किरीटी दास, शिवचरण महतो, उपेन चंद्र महतो सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एनडीए की जीत पर सोनाहातू और राहे में आजसू कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

सोनाहातू/राहे (आजाद सिपाही)। देश मे एनडीए की जीत तथा रांची लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ओर गिरिडीह लोकसभा से आजसू प्रत्याशी चंद्र प्रकाश चौधरी की जीत पर सोनाहातू और राहे आजसू कमिटी ने सोनाहातू, बारेंदा, राहे सुभाष चौक पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। प्रखंड अध्यक्ष रंग बहादुर महतो ने कहा कि देश की जनता ने एनडीए को स्वीकार किया है। जनता के भावना को बधाई देते है। मौके पर काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

संजय सेठ की जीत पर कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

मैकलुस्कीगंज। रांची लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के विजय होने पर मैकलुस्कीगंज में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी और खुशी व्यक्त किया। साथ ही चतरा लोकसभा से कालीचरण सिंह के विजयी होने पर भी हर्ष व्यक्त किया गया। मैकलुस्कीगंज में भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओ ने दोनो सीट पर जीत मिलने की खुशी में एक दूसरे को मिठाई खिलाते हुए भारतीय जनता पार्टी और नरेन्द्र मोदी के पक्ष में नारे लगाए। इस मौके पर जितेंद्र नाथ पांडेय, रामविलास गोप, रोहित यादव, जितेंद्र भारतीय, मनोहर महतो, सुनिल गिरि, राजेश अजय व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

आजसू की जीत को लेकर कार्यकर्ता में जश्न

बुंडू (आजाद सिपाही)। एनडीए गठबंधन के समर्थक दल आजसू के जीत को लेकर आजसू कार्यकर्ता बुंडू के धुर्वा मोड स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्थल पर जोरदार तरीके से आतिशबाजी और एक दूसरे को रंग अभी लगाकर बधाई दी। मौके पर आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा, सुख सारण महतो, सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा के हार के कई कारण हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू/तमाड़। खूंटी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा के हार के कई कारण हैं खूंटी संसदीय क्षेत्र मुंडा बहुल क्षेत्र है इस क्षेत्र में 6 विधानसभा तोरपा, कोलेबिरा, सिमडेगा, खरसावां, खुंटी, और तमाड़ विधानसभा क्षेत्र आते हैं भाजपा के प्रत्याशी अर्जुन मुंडा केंद्र में केंद्रीय मंत्री रहे मंत्री बनने के बाद देश में कोरोना काल 2 साल रहा क्षेत्र में ध्यान नहीं दे पाए बचा 2 साल मैं मंत्री रहते क्षेत्र का कभी भ्रमण नहीं किये और ना ही क्षेत्र के कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए लोग अपनी समस्याओं को रखने के लिए सांसद प्रतिनिधियों को खोजते रहे लेकिन कोई सांसद प्रतिनिधि सामने नहीं है। साथ ही क्षेत्र में कोई बड़ी योजना या किसी तरह की अन्य योजनाओं का शिलान्यास नहीं किया गया। ना लोगों से जुड़ाव किया गया यहां तक की कार्यकर्ता भी भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा से नाराज चल रहे थे ऊपर से तो सब ठीक-ठाक ही दिख रहा था लेकिन अंदर ही अंदर कहीं ना कहीं कार्य कर्ता भी नाराज थे आज उसी का परिणाम देखने को मिला की खूंटी संसदीय क्षेत्र से केंद्रीय मंत्री रहे अर्जुन मुंडा को भारी मतों से हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में पूरे देश में कहीं पर भी मोदी लहर नहीं चली कुर्मी को आदिवासी का दर्जा नहीं मिलने से वे नाराज थे। उन लोगों के साथ बैठकर समाधान नहीं निकला गया। इनके पीए वगैरह भी जनता के साथ कटे रहे सांसद फंड के कार्य जमीन में नहीं दिखाई दिए उनके चुनाव प्रभारी भी जमशेदपुर के थे

कालीचरण मुंडा की जीवनशैली की कहानी

आजाद सिपाही संवाददाता

खुटी। कालीचरण मुंडा का जन्म 10 नवंबर 1961 में हुआ था। उनके पिता टी मुचिराय मुंडा बिहार सरकार में आठ बार मंत्री और खूंटी और तमाड़ से तीन-तीन बार कुल छह बार (1967 से 1992 के बीच) विधायक रह चुके हैं। वे बिहार सरकार में कल्याण व पशुपालन, कल्याण, वन और आदिवासी कल्याण, सहकारिता विभाग, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, आदिवासी कल्याण, आवास, पर्यटन, वन एवं पर्यावरण विभाग के मंत्री रह चुके हैं। कालीचरण मुंडा दो बार (1992-2000) तक तमाड़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक से विधायक रह चुके है। उन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। वे अविभाजित बिहार में 1997 से 2007 तक रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। जिसके बाद झारखंड प्रदेश का महामंत्री और वर्तमान में कालीचरण मुंडा प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष हैं। खूंटी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस ने कालीचरण मुंडा को लगातार तीसरी बार टिकट दिया है, 2014 के चुनाव में भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा से शिकस्त मिली थी। 2019 के चुनाव में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा से महज 1445 वोटों से हार हुई थी। इस बार उन्होंने लगातार हार का कलंकको धोते हुए शानदार जीत दर्ज की। कालीचरण मुंडा के छोटे भाई नीलकंठ सिंह मुंडा भाजपा में है और वर्तमान में खूंटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक है, वह कई बार झारखंड सरकार में मंत्री भी रह चुके है।

कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा की बड़ी जीत पर माकपा ने दी बधाई

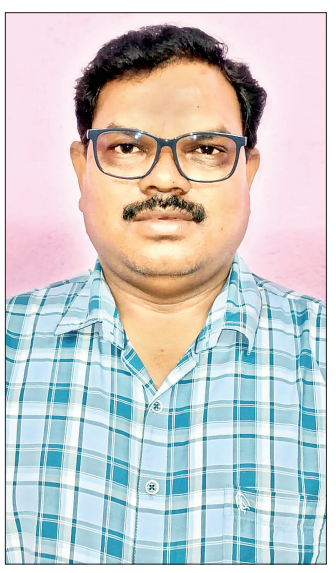

तमाड़ (आजाद सिपाही)। खुटी लोकसभा में इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा की बड़ी जीत पर माकपा ने बधाई दी है। माकपा के राज्य कमेटी सदस्य सह तमाड विधानसभा प्रभारी सुरेश मुंडा ने बधाई दी है खुटी लोकसभा क्षेत्र के विशेषकर तमाड विधानसभा क्षेत्र की आम जनता का अभिनंदन करते हुए उन्होंने कहा है कि खुटी से निवर्तमान सांसद सह केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की करारी हार नरेंद्र मोदी सरकार की जनविरोधी और आदिवासी विरोधी राजनीति की हार है।

पलामू से वीडी राम की हैट्रिक जीत, निकला भव्य जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। जीएलए कॉलेज में मतगणना संपन्न होने के बाद भाजपा का विजय जुलूस निकला। जीएलए कॉलेज से होते हुए रेड़मा,छःमुहान होते हुए शहर के प्रमुख सड़कों पर भाजपा के नेता एवं कार्यकताओं जगह जगह बम पड़ाके, मिठाईयां, अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को बधाई दी। इस दौरान जय श्रीराम के खूब नारे लगे। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश मंत्री मनोज सिंह, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी,रुपा सिंह, विजय ओझा, विनोद सिंह, विपिन बिहारी सिंह, सोमेश सिंह सहित काफी संख्या में भाजपाई मौजूद थे।

पलामू लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी वीडी को 750391 मत मिले 286000 से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजद की ममता भुइयां को हराया

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना समाप्त होने के पश्चात पलामू संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी शशि रंजन ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी विष्णु दयाल राम को विजयी घोषित करते हुए उन्हें निर्वाचित होने संबंधी प्रमाण पत्र सौंपा। 19 राउंड की गिनती के बाद भाजपा प्रत्याशी वीडी को 750391 मत मिले जबकि इंडिया गठबंधन की राजद प्रत्याशी ममता भुईयां को 464310 मत मिले।

वहीं बसपा प्रत्याशी कामेश्वर बैठा को 38624 मत मिले। जीत का प्रमाण पत्र मिलने के बाद वीडी राम ने कहा कि यह जीत पलामू के जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि पलामू की जनता ने जो आशिर्वाद दिया है उसका मैं हमेशा ऋणी रहूंगा। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यकाल में जो भी योजनाएं अधूरी रह गई है उसे पूरा करने का काम करुंगा।

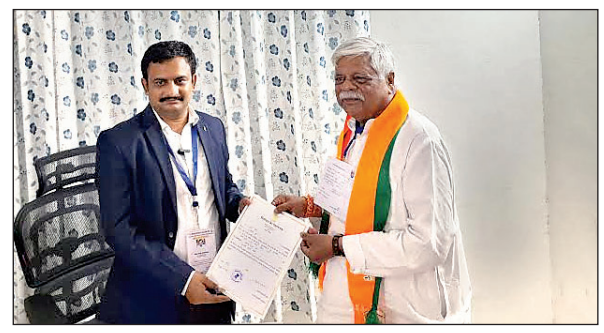

जीत व एनडीए को बहुमत मिलने पर एनसीपी कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। देश में एनडीए को बहुमत मिलने व पलामू में बीजेपी के वीडी राम की भारी मतों से जीत पर हुसैनाबाद एनसीपी कार्यालय में जश्न का माहौल है। पलामू का परिणाम आने के बाद कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। एनसीपी के पलामू जिला प्रवक्ता योगेंद्र कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने कहा कि पलामू में बीजेपी की जीत एनडीए गठबंधन की जीत है। इस जीत ने साबित कर दिया है कि पलामू में एनडीए गठबंधन काफी मजबूत है।उन्होंने कहा कि हुसैनाबाद हरिहरगंज विधायक कमलेश कुमार सिंह का प्रयास भी रंग लाया। उन्होंने बताया कि विधायक ने दूरभाष पर कार्यकताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि सभी के प्रयास से बीजेपी प्रत्याशी वीडी राम हैट्रिक लगाने में कामयाब रहे। उन्होंने वीडी राम व एनडीए गठबंधन के सभी नेताओं कार्यकताओं को बधाई दी है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह, अनुमंडल अध्यक्ष विनय पासवान,युवा अनुमंडल अध्यक्ष अभिषेक सिंह हरी, प्रकाश अग्रवाल, गोरख पासवान, अभिषेक शर्मा, योगेंद्र सिंह, बैरिस्टर सिंह, मनु सिंह, ओमप्रकाश राजवंशी,रजनीश सिंह, पंकज सिंह,राजधानी पासवान, प्रसांत सिंह, रतन लाल, विजय राजवंशी , बबन सिंह, अवधेश सिंह अन्य कार्यकर्ता पदाधिकारीगण शामिल थे।

विश्रामपुर में भाजपा ने निकाला विजय जुलूस, खूब हुई आतिशबाजी, उड़े गुलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। पलामू लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी वीडी राम की जीत पर विश्रामपुर में भाजपाइयों स्थानीय विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी के नेतृत्व में विजय जुलूस निकाला। जुलूस की शुरूआत ऐतिहासिक पंचमुखी मंदिर प्रांगण से हुआ। जुलूस मे भाजपा कार्यकताओं ने जमकर आतिशबाजी की। अबीर गुलाल भी खूब उड़ाया गया। कार्यक्रताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। जुलूस नगर भ्रमण करते हुए सोरडीह पहुंचा, जहा जुलूस सभा में तब्दील हो गया। विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि यह भाजपा कार्यकताओं की जीत है। सभा में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि यह जीत कार्यक्रताओं के कड़ी मेहनत का प्रतिफल है। उन्होंने जीत का श्रेय पलामू की जनता को दिया। कहा कि पलामू लोकसभा प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा है। मौके पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम,विधायक प्रतिनिधि राजन पांडेय, अनुज कुमार चौधरी, किरण शर्मा, सुनील कुमार चौधरी, विजय कुमार रवि, किरण शर्मा, संजू ठाकुर,गोपाल सोनी सहित कई भाजपा नेता कार्यकर्ता शमिल थे।

माइक्रोफाइनेंस कंपनी के एजेंट की गोली मारकर हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

सतबरवा /पलामू। सोमवार को सतबरवा फागू सिंह घाट में महुआ पेड़ के पास माइक्रो फाइनेंस कंपनी के एजेंट प्रिय रंजन कुमार लगभग 21 वर्ष कंचनपुर निवासी को अज्ञात अपराधी ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक के पिता योगेश राम ने बताया कि मेरा बेटा प्रिय रंजन कुमार पिछले तीन माह से सतबरवा के पोंची स्थित आईआईएफएल समस्ता माइक्रोफाइनेंस कंपनी के ब्रांच में उफ्ड के पद पर कार्यरत था। सोमवार को अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दिया, इस संबंध में सतबरवा थाना में आवेदन दिया गया है। आवेदन के अनुसार प्रिय रंजन कुमार जोगिया सोहड़ी से 3 जून को पैसा कलेक्शन कर लौट रहा था,इसी दौरान रात लगभग 7:30 बजे फागु सिंह घाट पर महुआ पेड़ के पास अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी जिससे प्रिय रंजन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के सूचना पाकर मृतक के दर्जनों परिजन सतबरवा थाना पहुंचे जहां उनका रो-रो कर बुरा हाल था।

S M Toy & School Furniture
Everything From A to Z For School, Playground, Playschool Park Playzone, Mails, Backyard, Recreation Zone, Society & Anganwadis
एक बार जरूर पधारे
Old Bank Colony, RMCH Road, Near Sadhu Maidan Shop
Add.: Industrial Area Kokar, Ranchi- 834001 (Jharkhand)
Mob. 7503729696, 9205624569

कृष्णा ज्वेलर्स
Mob : 9973853279, 9031249105
समस्या है तो ! समाधान भी है !
आचार्य प्रणव मिश्रा
प्रसिद्ध ज्योतिष रत्न गोल्डमेडलिस्ट, M.M
(ज्योतिर्विज्ञान) टॉपर 2012 एवं (P.h.D) रांची, वि. वि. रांची
गांधी चौक, सोनार गली, बीण वस्त्रालय के सामने अपर बाजार, रांची

स्पोर्ट्स

स्कोर का पीछा करने उतरी बाबा ब्लास्टर्स की टीम को 54 रनों पर रोककर गेम चेंजर्स की टीम ने टूर्नामेंट का फाइनल 42 रनों से जीत कर जूनियर लीग सीजन 2 की विजेता बनी। शिवम पपनेजा फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच बने

ओशिएनिक ब्लास्टर्स की टीम वुडक्राफ्ट बहावलपुरी प्रीमियर क्रिकेट लीग सीजन 7 की विजेता बनी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बहावलपुरी पंजाबी समाज द्वारा आयोजित फूड क्राफ्ट बहावलपुरी प्रीमियर क्रिकेट लीग 7 का आज मेगा फाइनल खेला गया। 3 जून सोमवार को रात 11:30 बजे से कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित दयालबाग में खेले गए इस फाइनल मैच से पहले दोनों फाइनलिस्ट टीमों के खिलाड़ियों के एंट्री आइपीएल की तर्ज पर कराई गयी। इस फाइनल मुकाबले में ओशिएनिक ब्लास्टर्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 8 ओवर में चार विकेट खोकर 53 रन बनाये। ओशिएनिक ब्लास्टर्स के कशिश नागपाल ने 18 गेंद में एक चौके और चार छक्कों की मदद से 31 रन बनाये। आयुष काठपाल ने 11 रन बनाये। खालसा सुपर किंग्स के ऋषभ गोस्वामी, हेमंत दुआ और सुमित मुंजाल ने एक-एक विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी खालसा सुपर किंग्स की टीम गीत अरोड़ा की धारदार गेंदबाजी के कारण 7.5 ओवर में 37 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी। गीत अरोड़ा ने 1.5 ओवर में एक मेडन करते हुए मात्र चार रन दिये और तीन विकेट हासिल किये और फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच बने। खालसा सुपर किंग्स के एकमात्र सफल बल्लेबाज वंश मक्कड़ रहे, जिन्होंने 20 गेंद में तीन चौके और एक छक्के के सहारे 22 रन बनाये। 16 रनों से जीत दर्ज कर ओशिएनिक ब्लास्टर्स की टीम टूर्नामेंट की विजेता बनी। इससे पहले रात दस बजे जूनियर लीग सीजन 2 का फाइनल बाबा ब्लास्टर्स और गेम चेंजर्स की टीमों के बीच हुआ। गेम चेंजर्स की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 96 रनों का स्कोर खड़ा किया, जिसमें शिवम पपनेजा ने 52 रनों की धुआंधार खेली। स्कोर का पीछा करने उतरी बाबा ब्लास्टर्स की टीम को 54 रनों पर रोककर गेम चेंजर्स की टीम ने टूर्नामेंट का फाइनल 42 रनों से जीत कर जूनियर लीग सीजन 2 की विजेता बनी। शिवम पपनेजा फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच बने।

देर रात हुए पुरस्कार वितरण समारोह में सीनियर वर्ग में कशिश नागपाल को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड दिया गया। इमर्जिंग प्लेयर का अवार्ड चाहत मुंजाल को मिला। बेस्ट बैट्समैन का खिताब प्रभात कुमार ने जीता वहीं भूषित सरदाना टूर्नामेंट के बेस्ट बॉलर घोषित किये गये। सुमित मुंजाल को बेस्ट कैच ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड दिया गया। जूनियर लीग के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड निहाल खत्री ने हासिल किया। संस्था के अध्यक्ष ललित किंगर ने इस सफल आयोजन के लिए सभी खिलाड़ियों,स्पॉन्सर्स और दर्शकों का धन्यवाद किया। सचिव अश्विनी सुखीजा ने ऑर्गेनाइजिंग कमिटी के सभी सदस्यों,सभी खिलाड़ियों, प्रायोजकों और दर्शकों का धन्यवाद करते हुए अगले वर्ष इससे भी बेहतर आयोजन करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन नरेश पपनेजा ने किया।

बोरिंग के लिए संपर्क करे
जल ही जीवन
993106883
9113754813
रांची के अंदर कहीं भी अच्छे रेट में
Contact for : Deep Boring, 405" 6" 8" Dia All Motor & Pump Fitting, Building Material

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
• Hindi	₹ 140	• Hindi	₹ 140
• English	₹ 140	• English	₹ 140
• Mathematics	₹ 140	• Mathematics	₹ 140
• Science	₹ 140	• Science	₹ 140
• Social Science	₹ 140	• Social Science	₹ 140
• Sanskrit	₹ 120	• Sanskrit	₹ 120
• Hindi – B	₹ 140	• Hindi – B	₹ 80
• Hindi Vyakaran– II	₹ 120	• Hindi Vyakaran– II	₹ 120
• English Grammar– II	₹ 120	• English Grammar– II	₹ 120
• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
• Hindi Practical	₹ 55	• Hindi Practical	₹ 55
• English Practical	₹ 55	• English Practical	₹ 55
• Maths. Practical	₹ 65	• Maths. Practical	₹ 55
• Science Practical	₹ 65	• Science Practical	₹ 70
• S. Science Practical	₹ 65	• S. Science Practical	₹ 65
• Sanskrit Practical	₹ 55	• Sanskrit Practical	₹ 55
• Maths. Practical (Combined)	₹ 90	• Maths. Practical (Combined)	₹ 75
• Science Practical (Combined)	₹ 90	• Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
• Mathematics	₹ 200	• Mathematics	₹ 130
• Science	₹ 200	• Science	₹ 200
• Social Science	₹ 200	• Social Science	₹ 130
• Maths. Practical	₹ 80	• Maths. Practical	₹ 80
• Science Practical	₹ 80	• Science Practical	₹ 80
• S. Science Practical	₹ 80	• S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

50% Off on Making CHARGE
भारी छूट
आकर्षक उपहार
NEW SONI JEWELLERS
GOLD SILVER DIAMOND
Opp. Nirwachan Aayog (Election Commission)
Ratu Road, Chowk, Ranchi - 01
91 9955526560
91 9431143722

RAJHANS ACADEMY
IIT-JEE | NEET | FOUNDATION
BOOST your IIT-JEE/NEET/ Boards Preparation
Creating Path Towards Success
ADMISSION OPEN
Upto 100% SCHOLARSHIP
ENGINEERING 11th 12th & 12th Pass | MEDICAL 11th 12th & 12th Pass | FOUNDATION 9th & 10th Pass
Call Us : 6287842201 / 02 / 03 / 04, 0651-4658773
302, 3rd Floor, Pranami Height, Circular Road (Lalpur), Ranchi-01
Email: rajhansacademy7@gmail.com | www.rajhansacademy.in

ALPHA INSTITUTE OF COMPUTER EDUCATION
Certified with
Franchise Benefit
All Computer Courses
Vocational Courses
Authorization Letter
Authorization Certificate
Web Login ID & Password
Study Material Support
PDF Certificate in 24 Hrs
Hard Copy Certificate & Mark sheet
Students Placement Support
Marketing Support
Online & Offline Certificate
Yearly Career Guidance
Seminar in your City
FREE FRANCHISE
For More Details Visit Now
Just Call Us : 9835502908
Email - alphaeducational.center@gmail.com | www.alphaec08.com
Registered office : 262, Delta Bhawan, Adarsh Nagar, Khorha Toli, Kokar Ranchi - Mob. 9835502908
Cooperate office : Kokar Chowk, Kokar, Ranchi Mob.: 9631103045
Cooperate office : Noorsarai, Near Police Station Nalanda, Bihar - Mob.: 7488289546

धनबाद संसदीय क्षेत्र से भाजपा ने कायम रखी अपनी साख

3.30 लाख वोटों के अंतर से जीते भाजपा के ढुल्लू

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। सांसद प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने एक बड़ी जीत हासिल की है। लगभग 3,3 0000 हजार वोटो से चुनाव जीत चुके हैं। पहले राउंड से ही बढ़त बनाते हुए 25 में राउंड पर उन्होंने एक बड़ी जीत हासिल की। जीत की खुशी में शामिल होने पहुंचे बरवाअड़ा के जाने माने व्यवसाय कृष्ण मुरारी चौधरी साथ में निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता बोकारो के विधायक बीरांची नारायण, महतो के समर्थक में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखे और नारों से पूरा माहौल भाजपा मय किया। इस दरमियान लोगों कि काफी भीड़ देखी गई सुरक्षा व्यवस्था को जायजा लेने के लिए के एसएसपी अपने पूरे बल के साथ मतगणना स्थल पर तैनात दिखें। 07 धनबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के राउंड 25 की गिनती के बाद प्रत्याशियों को मिले वोट की संख्या : 1. अनुपमा सिंह, इंडियन नेशनल कांग्रेस - 452358, 2. ढुलू महतो, भारतीय जनता पार्टी - 782423,3. मोहन सिंह, बहुजन समाज पार्टी - 5594,4. अकबर अली, अखिल भारतीय परिवार पार्टी - 3031, 5. कृष्ण चंद्र सिंह राज, समता पार्टी - 2818, 6. दीपक कुमार दास, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) - 1720,7. परवेज नैयर, आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) - 1157, 8. राजीव तिवारी, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) - 1880, 9. रेजाउल हक, लोकहित अधिकार पार्टी - 2642,10. संजय कुमार गिरी, अखिल भारत हिंदू महासभा - 1617,11. अनिन्दिता दास, निर्दलीय - 2655,12. मो. इकलाख अंसारी, निर्दलीय - 78885,13. उमेश पासवान, निर्दलीय - 2554,14. कामेश्वर प्रसाद वर्मा, निर्दलीय - 4002,15. जगदीश रवानी, निर्दलीय - 27498,16. जनक शाह गोंड, निर्दलीय - 12759,17. मो. जहीरूद्दीन खान, निर्दलीय - 6501,18. तुलसी महतो, निर्दलीय - 5372,19. त्रिदेव कुमार महतो, निर्दलीय - 1126, 20. निताई दत्ता, निर्दलीय - 1694, 21. प्रेम प्रकाश पासवान, निर्दलीय - 516,22. मो. ताफाजुल हुसैन, निर्दलीय - 682, 23. मो. फैसल खान, निर्दलीय - 1994,24. लक्ष्मी देवी, निर्दलीय - 2600, 25. सुनैना किन्नर, निर्दलीय 3430, 26. नोटा - 7202,25वें राउंड की काउंटिंग के बाद कुल 1414710 वोटों की गिनती की गयी। एनडीए प्रत्याशी ढुलू महतो की जीत पर जदयू जिलाध्यक्ष ने दिया बधाई धनबाद लोकसभा सीट से एनडीए प्रत्याशी ढुल्लू महतो की जीत पर जदयू पार्टी के धनबाद जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि ढुल्लू महतो के जीतने से धनबाद वासियों के एयरपोर्ट तथा एम्स के सपना बहुत जल्द पूरा होगा। सांसद महतो को जदयू की ओर से ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप यादव, युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रूपेश पासवान, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, प्रदेश सचिव राजू सिंह, महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पुष्पा पांडेय, धनबाद प्रखंड अध्यक्ष बबलू मोदक, बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष गोपाल चंद्र गोप, पूर्व प्रदेश महासचिव उचित महतो, झरिया विधानसभा प्रभारी विजय सिंह कुशवाहा ने बधाई दी।

ओड़िशा में बीजेपी की लहर

झारसुगुड़ा ब्रजराजनगर, कुचिंडा और अंगुल में खिला कमल

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बरगढ़ लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत झारसुगुड़ा जिले की झारसुगुड़ा और ब्रजराजनगर विधानसभा सीटों पर सभी 19 राउंड की गिनती पूरी हो चुकी है। बताया गया है कि दोनों सीटों पर बीजेपी ने जीत हासिल किया है। झारसुगुड़ा में बीजेपी के टंकधर त्रिपाठी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजू जनता दल (बीजद) उम्मीदवार दीपाली दास को 1322 वोटों से हराया, उसी तरह ब्रजराजनगर में सुरेश पुजारी ने बीजू जनता दल (बीजद) की अलका महांति को 26 हजार 581 से ज्यादा वोटों से हराया। इसी तरह कुचिंडा में बीजेपी उम्मीदवार रबीनारायण नायक विजयी रहे हैं। बीजू जनता दल बीजद उम्मीदवार राजेंद्र कुमार से 30 हजार से ज्यादा वोटों से जीते। इसी तरह अंगुल बीजेपी बिधासभा उमीदवार प्रताप चंद्र प्रधान ने बीजद उमीदवार संयुक्ता सिंह को 17 हजार 128 वोटों से हराया ।

ओड़िशा में बीजेपी की सरकार बननी तय

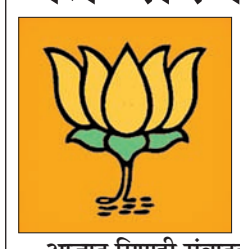

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा में बीजेपी का लहर, न्यूज लिखने तक 21 लोकसभा आसान से बीजेपी को 19, बीजद को 1 और कांग्रेस को 1 आसान मिला है। सताधारी बीजू जनता दल (बीजद) ने 25 वर्षो से शासन क्षमता में रहकर सिफ एक ही आसान मिलना बहुत दुःख की बात है। इसी तरह 147 विधानसभा आसान में से बीजेपी को 80, बीजद को 49, काग्रेस को 14 और अदर को 4 ही सीट मिला है। ओड़िशा में मोदी जी का लहर देखने को मिला। इस बार ओडिशा में बिजीपी का सरकार बनना तय है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने समलपुर लोकसभा आसान से जीत हासिल की। धर्मेंद्र प्रधान ने बीजद उमीदवार प्रणब प्रकाश दास को 1 लाख 12 हजार 984 वोटों से हराया।

गांडेय विधानसभा से एक लाख 9 हजार 827 वोट लाकर कल्पना सोरेन हुई विजयी

82 हजार 678 मत लानेवाले भाजपा के दिलीप वर्मा को 27 हजार 149 वोटों से हराया

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। गांडेय विधानसभा उपचुनाव को लेकर हुए मतगणना में इंडिया गठबंधन की उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन 27 हजार 149 वोटो से विजयी हुई। 21 राउंड में कल्पना सोरेन को कुल एक लाख 9 हजार 827 मत प्राप्त हुए है। वहीं भाजपा प्रत्याशी दिलीप वर्मा को 82 हजार 678 मत प्राप्त हुए है। कल्पना सोरेन की जीत की सूचना मिलते ही झामुमो कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दोड़ गयी। मतगणना केन्द्र के बाहर झामुमो समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान उन्होंने मतगणना केन्द्र के बाहर जमकर आतिशबाजी की और एक दूसरे को बधाई दी। इसी बीच जीत की सूचना मिलने के बाद कल्पना सोरेन करीब चार बजे जीत का प्रमाण पत्र लेने के लिए पचंबा बाजार समिति मतगणना केंद्र पहुंची। इस दौरान उन्होंने पूरे उत्साह के साथ जीत साइन विक्ट्री दिखाई। उनके साथ राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद, मंत्री हफिजुल हसन, सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू और बगोदर विधायक सह कोडरमा के माले प्रत्याशी विनोद सिंह समेत कई नेता मौजूद थे। सहायक निवार्ची पदाधिकारी गुलाम समदानी ने कल्पना सोरेन को जीत का प्रमाण पत्र देकर शुभकानाएं दी। इस मौके पर अपने जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि यह पूरे गांडेय वासियों की जीत है। उन्होंने गांडेय की जनता को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांडेय की जनता ने उन्हें समर्थन देकर जो विश्वास जताया है उस पर खरा उतरने का काम करेंगी। इस दौरान उन्होंने पार्टी सूप्रिमो शिबू सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पार्टी के सभी नेताओं के साथ साथ इंडी गठबंधन के सभी नेताओं के प्रति आभार जाताया।

पूरे देश में मतगणना के बीच धनबाद के भौंरा में कांग्रेस नेता कालीचरण यादव पर हमला

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार/ झरिया। धनबाद में लोकसभा चुनाव की मतगणना चल रही है तो दूसरी तरफ भौरा में अपराधी अपराधिक घटना को अंजाम देने से भी नहीं हिचक रहे है। घटना भौंरा ओपी क्षेत्र की है जहां अपराधियों ने एक इंटक नेता कालीचरण यादव पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। घटना उस समय हुई जब इंटक नेता अपने स्कार्पियो से हनुमान मंदिर पूजा करने जा रहे थे, तभी घात लगाये अपराधियों ने हमला कर दिया। कालीचरण के साथ जमकर मारपीट की गयी है, उसके बाद अपराधियों ने चार से राउंड फायरिंग किया गया। जिसके बाद गंभीर स्थिति में इंटक नेता कालीचरण यादव को जामाडोबा अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर देख डाक्टरों ने उसे जालान धनबाद रेफर कर दिया। अपराधी क्यों और किस कारण उस पर हमला किया यह अभी भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। यह भी पुष्टि नहीं हो पाई है कि कालीचरण यादव को गोली लगी है या नहीं। लेकिन घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को एक खोखा मिला है। फिलहाल घटना को लेकर पूरे इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस की तैनाती कर दी गयी है। बता दे की कालीचरण यादव इंटक के नेता है, जो ददई दुबे गुट के है। जबकि इनका पुत्र शिव कुमार यादव पार्षद एवम भाजपा नेता है। जो भाजपा के साथ साथ यादव समाज में काफी सक्रिय नेता बताए जाते है। वहीं इस घटना को लेकर कई तरह की बाते सामने आ रही है। हमला को राजनीतिक विवाद से भी जोड़ कर देखा जा रहा है। फिलहाल पुलिस उनके बयान के बाद ही आगे की कार्यवाई करेगी। क्षेत्र में पुलिस वाहन चेकिंग लगा कर अपराधियों की धड़पकड़ में जुट गयी है। पुलिस ने चार युवकों को पकड़ा है जिससे पूछताछ की जा रही हैं। स्थानीय लोगों द्वारा एक सत्यम नाम युवक की पिटाई की है, जिसकी पुलिस इलाज करा रही हैं।

चंद्र प्रकाश चौधरी की जीत पर जश्न मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद धनबाद से ढूलू महतो व गिरिडीह से चंद्र प्रकाश चौधरी के जीत पर मंगलवार शाम को कतरास थाना चौक पर भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष बबलू बनर्जी के नेतृत्व में जीत का जश्न मनाया गया। आजसू व भाजपा के कार्यकर्ता दोनों प्रत्याशियों की जीत पर बधाई देते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। कार्यकताओं ने आतिशबाजी भी किया। वही बबलू बनर्जी कहा कि यह जनता की जीत है विपक्षी कितनी भी साजिश रचे जनता ने अपना जनादेश दोनों प्रत्याशियों को अपना आशीर्वाद के रूप में दिया

ढुलू महतो ने 3 लाख 30 हजार 65 वोट से जीत दर्ज किया है।

हैं। बताते चले कि धनबाद के नए सांसद के रूप में भाजपा प्रत्याशी ढुलू महतो ने शानदार जीत हासिल करते हुए परचम लहराया है। ढुलू महतो ने 3 लाख 30 हजार 65 वोट से जीत दर्ज किया है। इसी के साथ धनबाद में ढुलू महतो को जनता का अपार भी समर्थन मिला है। मौके पर आजसू पार्टी के नगर अध्यक्ष नवदीप गुप्ता, रविंद्र विजन, टुनटुन गुप्ता, प्रकाश बर्मन, बबलू विश्वकर्मा, रंजू सिंह, साहिल, राजकुमार बर्मन, नारायण बर्मन, राजासिंह छोटू चोहान आदि मौजूद थे।

आरपीएफ डीजी ने पूर्व तट रेलवे का दौरा किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के महानिदेशक (डीजी) मनोज यादव, आइपीएस, ने कल पूर्व तट रेलवे (ईसीओआर) मुख्यालय में सुरक्षा कार्यों की व्यापक समीक्षा की। इस यात्रा का उद्देश्य पूर्व तट रेलवे के सुरक्षा प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने में आगे की प्रगति की रणनीति बनाना है। यादव ने पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक परमेश्वर फुंकवाल के साथ रेलवे के सुरक्षा कर्मियों को प्रौद्योगिकियों, न्यायिक मिसालों और कानून प्रवर्तन में सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के बारे में भी चर्चा की। अपनी यात्रा के दौरान, महानिदेशक श्री मनोज यादव कई महत्वपूर्ण बैठकों और बातचीत में शामिल हुए। उन्होंने वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य का आकलन करने और यात्री सुरक्षा से संबंधित प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुख्य सुरक्षा आयुक्त/खोरधा रोड, वाल्टेयर और संबलपुर रेलवे जोन के वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्तों के साथ यात्री सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। तकनीकी प्रगति से अवगत रहने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डीजी यादव ने रेलवे सुरक्षा प्रयासों में आधुनिक प्रौद्योगिकियों के एकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा परिणामों को बढ़ाने और अनुकरणीय प्रदर्शन के माध्यम से रेलवे सुरक्षा कर्मियों की सकारात्मक छवि को मजबूत करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया। हाल के विधायी परिवर्तनों के बारे में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए, तीन नये आपराधिक कानूनों, अर्थात् भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर एक सेमिनार आयोजित किया गया था। सेमिनार ने आरपीएफ कर्मियों को हाल के विधायी संशोधनों, न्यायिक मिसालों और कानून प्रवर्तन में सर्वोत्तम प्रथाओं की अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिससे उन्हें अपनी भूमिकाओं में अनुकूलन और उत्कृष्टता प्राप्त करने की क्षमता प्राप्त हुई। महानिदेशक यादव ने आरपीएफ कर्मियों की कल्याण को प्राथमिकता देने के महत्व को भी रेखांकित किया। खुर्दा रोड पर आयोजित सुरक्षा सम्मेलन के दौरान उन्होंने तनाव प्रबंधन, स्वास्थ्य अनुशासन पर जोर दिया और आरपीएफ कर्मियों से यात्रियों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित रहने का आग्रह किया। आइजी-सह-पीसीएससी/आरपीएफ/पूर्व तट रेलवे, मुख्य सुरक्षा आयुक्त/आरपीएफ, और मंडल सुरक्षा आयुक्त/आरपीएफ/खुर्दा रोड डिवीजन सहित प्रमुख अधिकारियों के साथ डीजी यादव ने प्रमुख प्रदर्शन सूचकांक (केपीआई) के संदर्भ में पूर्व तट रेलवे के प्रदर्शन की सराहना की। उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता। इसके अलावा, अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में, डीजी यादव ने कटक रेलवे स्टेशन पर एक नए आरपीएफ पोस्ट का उद्घाटन किया और पुनर्विकास योजना के हिस्से के रूप में चल रही सुरक्षा वृद्धि का निरीक्षण किया। पूर्व तट रेलवे मुख्यालय की अपनी यात्रा से पहले, महानिदेशक श्री यादव ने वाल्टेयर डिवीजन का दौरा किया, जहां उन्होंने मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ के लिए एक नए कार्यालय का उद्घाटन किया और बाचेली-काकलूर रेलवे खंड सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों का आकलन किया। महानिदेशक मनोज यादव का दौरा सुरक्षा उपायों को बढ़ाने और रेल नेटवर्क पर यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

दुगार्पुर में 34 लाख की लागत से बना उपस्वास्थ्य केंद्र नहीं हो सका चालू

कसमार (आजाद सिपाही)। प्रखंड के दुगार्पुर पंचायत में 2013 -14 में 34 लाख की लागत से उपस्वास्थ्य केंद्र बना, लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण इसे चालू नहीं किया गया है। इसलिए गांव के लोगों को मामूली सर्दी - बुखार या अन्य बीमारी होने पर इलाज कराने के लिए कसमार पेटरवार गोला बोकारो या रामगढ़ जाना पड़ता है। लेकिन अभी तक इस भवन का अब तक उपयोग में नहीं हुआ। ग्रामीणों के अनुसार 34 लाख की लागत से आधा अधूरा ही रांची के संवेदक बनाकर कसमार के चिकित्सा पदाधिकारी को हैंडओवर कर दिया गया। आखिर भवन पूर्ण हुआ ही नहीं तो हैंडओवर किस स्थिति में किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि दुगार्पुर उप स्वास्थ्य केन्द्र में डीप वोरिंग, आधा अधूरा शौचालय पैन, बिजली वायरिंग वहीं कई खिड़की दरवाजे का भी काम आधा अधूरा है। इस प्रकार पूर्ण कार्य किए बिना कैसे स्वास्थ्य विभाग को सुपुर्द करके ठेकेदार चला गया। यह उच्चस्तरीय जांच का विषय है। यहां लगे समान चोरों द्वारा चोरी करके ले जा रहा है।

एनडीए की जीत पर भाजपाइयों ने जम कर मनाया जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

फुसरो। लोकसभा चुनाव परिणाम में एनडीए के जीत पर फुसरो में भाजपाइयों ने जीत का जश्न मनाया। फुसरो निर्मल महतो चौक पर भाजपाइयों ने एकजुट होकर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर, अबीर गुलाल लगाकर और पटाखे फोड कर जीत का इजहार। साथ ही एक दूसरे को गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी को जीत की बधाई दिया। फुसरो मंडल अध्यक्ष दिनेश यादव, महामंत्री टुनटुन तिवारी व रमेश स्वर्णकार ने कहा कि गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र की जनता ने फिर से एनडीए पर विश्वास जताते हुए अपना वोट दी है। जिसका नतीजा है कि एनडीए प्रत्याशी सीपी चौधरी दूसरी बार सांसद बने है। कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गिरिडीह की जनता को विश्वास है। जनता यह जानती है कि देश का विकास एनडीए ही कर सकती है। यहां पर अनिल गुप्ता, अशोक चौहान, देवनारायण महतो, भरत वर्मा, लाल मोहन महतो, अशोक रविदास, चंदन कुमार, संजय विश्वकर्मा आदि मौजूदगी रही। जबकि पुराना बीडीओ आफिस स्थित भाजपा कार्यालय के समीप भाजपा नेता शिवलाल रवि की अध्यक्षता में एनडीए प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी के जीत पर जश्न मनाते हुए आतिशबाजी किया गया। भाजपा नेता श्री रवि ने कहा कि यह जीत राष्ट्र हित की जीत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सशक्त हुआ है। देश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास है। यहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई व अबीर-गुलाल लगाकर जीत का बधाई दी। मौके पर जगरनाथ राम, विनय सिंह, वीरू गिरी, रंजीत महतो, श्रीकांत सिंह यादव, अशोक रवि, लाल गिरि, विनोद रविदास, अर्जुन रवि, नरेश प्रसाद, युगल रवि, सूरज रवि, डालेशर रवि, धनेशर गिरी, डब्लू वर्मा, ओम सिंह, अशोक रवि आदि लोगों की मौजूदगी रही।

'ढुल्लू महतो जिंदाबाद' का नारा लगाते हुए क्षेत्र में भ्रमण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार। बस्ताकोला मंडल में भाजपा कार्यकताओं ने झंडा बैनर लेकर ढुल्लू महतो जिंदाबाद के नारे लगाते हुए जुलूस निकालकर क्षेत्र में भ्रमण किया। साथ में आते जाते राहगिरो को जीत के खुशी में लड्डू बाटा साथ में कहा कि देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी भाजपा सरकार बन रही है पुरे क्षेत्र में विकास की गंगा बहेगी। मंडल महासचिव तरुण राय उपाध्याय चिंटू शर्मा, संतोष रवानी, संजय रवानी, रामदेव शर्मा आदि कार्यकर्ता है मौजूद थे।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**